पटना ●सोमवार, 05 अगस्त 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:205 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

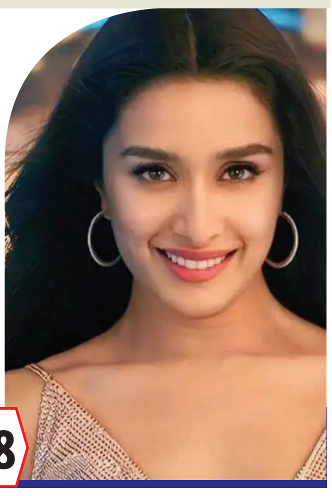

समाचार पत्र के ले आउट और... 3 www. bordernewsmirror.com श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 का...8

चक दे इंडिया!

सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय हॉकी टीम

रोमांचक शूटआउट में ग्रेट ब्रिटेन को हराया

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय मेंस हॉकी टीम लगातार दूसरी बार ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। रविवार को एक बेहद रोमांचक क्वार्टर फाइनल में चमत्कार करते हुए कप्तान हरमनप्रीत सिंह की टीम ने ग्रेट ब्रिटेन को शूट आउट में 4-2 से हराया। अब भारत का मुकाबला छह अगस्त को जर्मनी और अर्जेंटीना के बीच मैच के विनर से होगा। आधे से ज्यादा मैच अपने मुख्य डिफेंडर अमित रोहिदास के बिना खेलने के बावजूद भारत की ये जीत बेहद खास है। मैच का नतीजा शूटआउट में निकला, क्योंकि निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीम 1-1 की बराबरी पर थी, इसके बाद भारतीय दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने अपना पूरा अनुभव झोकते हुए शूट आउट में हिंदुस्तानियों की उम्मीदों को टूटने नहीं दिया। मैच शुरू होते ही पांचवें मिनट में ग्रेट ब्रिटेन को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले। दोनों ही बार अमित रोहिदास ने मुस्तैदी से डिफेंस किया, इसके बाद पहले क्वार्टर के 13वें मिनट में भारत को लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत भी इसमें सफल नहीं हो पाए। दूसरा क्वार्टर शुरू होते ही रेफरी ने अमित रोहिदास को रेड कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया, जिसके बाद भारत को पूरे मैच में 11 की जगह 10 खिलाड़ी के साथ खेलना पड़ा। अमित रोहिदास की गिनती दुनिया के सबसे तेज पेनल्टी कॉर्नर रशर के तौर पर होती है।

श्रीजेश फिर बने भारत की दीवार

अपना आखिरी ओलंपिक खेल रहे 36 साल के गोलकीपर पीआर श्रीजेश की अगुवाई में भारतीय डिफेंस ने ब्रिटेन के हर हमले का बचाव किया। ब्रिटेन ने 28 बार भारतीय गोल पर हमला बोला और महज एक कामयाबी मिली। शूटआउट में भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह , सुखजीत सिंह, ललित उपाध्याय और राजकुमार पाल ने गोल दागे जबकि इंग्लैंड के जेम्स अलबेरी और जाक वालांस ही गोल कर सके। कोनोर विलियमसन का निशाना चूका और फिलिप रोपर का शॉट श्रीजेश ने बचाया।

• 1.05 लाख रुपये नगद, एक देशी कट्टा, एक कारतूस एवं लूट में प्रयुक्त दो मोटरसाईकिल के साथ बैंककर्मी समेत दो गिरफ्तार

मोतिहारी पुलिस ने स्पंदना स्फूर्ति फायनेंस बैंक समेत 14 लूटकांड का किया उद्भेदन

• सुगौली, चिरैया व हरसिद्धि में कुल चार व बेतिया, बगहा में पांच पांच लूट की घटना का दिया था अंजाम

बीएनएम । राकेश कुमार

मोतिहारी/हरसिद्धि। जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के धनखरैया स्थित हीरो एजेंसी के समीप स्थित स्पंदना स्फूर्ति फायनेंस बैंक से सात लाख अठानवे हजार रुपये के लूटकांड का पुलिस ने खुलासा किया है। वहीं लूट में शामिल एक बैंक कर्मी अप्पू कुमार यादव समेत दो को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, जिसके पास से लूट का एक लाख पांच हजार रुपए, विभिन्न लूट में प्रयुक्त एक देशी कट्टा व एक कारतूस व दो बाईक बरामद किया गया है। इस संबंध में रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर एसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने पत्रकारो को बताया कि पकड़े अपराधियो से पूछताछ में स्पंदना सहित अन्य फाइनेंस कंपनी में हुए कुल 14 लूट के मामले का उद्भेदन हुआ है। इसी गिरोह ने पूर्वी चंपारण के सुगौली, चिरैया व हरसिद्धि में कुल चार लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। इसके साथ ही इनलोगो के द्वारा ही बेतिया व बगहा में 5-5 लूट की घटना को अंजाम दिया है। उन्होने बताया कि बीते 10 जुलाई को हरसिद्धि थाना क्षेत्र में स्पंदना स्फूर्ति फायनेंस बैंक में रात्रि नौ बजे के करीब हथियार बंद अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया था। जिसके बाद कांड का खुलासा करने के लिए अरेराज डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया था। इस दौरान तकनीकी अनुसंधान में बैंक के फील्ड ऑफिसर अप्पू यादव की इस लूट कांड में संलिप्तता सामने आई। जिसके बाद उससे गहन पूछताछ की गई, तो पता चला कि वह लूट की साजिश में शामिल था और उसके द्वारा कैश की उपलब्धता की सूचना देने पर ही अवनीश राज व अन्य अपराधी लूट की घटना को अंजाम दिये।

मास्टर माइंड निकला गिरफ्तार अपराधी अवनीश राज, बैंककर्मी अप्पू ने किया था लाईनर का काम

एसपी श्री मिश्र ने बताया कि अप्पू खुद घटना वाली रात बैंक में रुक गया। जिस वक्त लूट हुई थी, उस वक्त अप्पू बैंक में ही था। उसके निशानदेही पर पुलिस ने छापेमारी कर लूटेरे अवनीश राज को बगहा से गिरफ्तार किया है। जिसने कई कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार किया है।एसपी श्री मिश्र ने बताया कि लूट की सभी घटनाओ में एक और बैक कर्मी शामिल है, जिसका नाम गोपनीय रख उसके विरूद्ध छापेमारी की जा रही है। एसपी श्री मिश्रा ने बताया कि लूटेरा गैंग का मास्टर माइंड अवनीश राज ने पूछताछ में बताया कि बैंक को लूटने के पूर्व उसका रेकी करता है। जबकि बैककर्मी अप्पू यादव से बैक में कैश की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करता है। एसपी कांतेश मिश्रा ने बताया कि इस कांड के उद्भेदन से ऐसे गिरोह का खुलासा हुआ है, जो घुम-घुम कर फाइनेंस कंपनी और बैंकों को निशाना बना रहे थे।

लूटकांड के उद्भेदन में शामिल सभी अधिकारी व पुलिस कर्मी होंगे पुरस्कृत

एसपी कान्तेश मिश्रा ने बताया कि इस लूटकांड के उद्भेदन में शामिल सभी को पुरस्कृत किया जाएगा। छापेमारी टीम में डीएसपी रंजन कुमार के अलावा इंस्पेक्टर कृष्ण कुमार गुप्ता, थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय, एसआई रवि रंजन, अनिल कुमार, अनुज पांडे, संतोषी कुमारी, मनीष राज सहित डीआईओ के अधिकारी शामिल थे।

एमपी के सागर में 'मौत' बनकर गिरी दीवार

दर्दनाक हादसे में 9 बच्चों की चली गई जान

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के सागर में दर्दनाक हादसा हो गया है। यहां एक मंदिर की दीवार गिरने से 9 बच्चों की मौत हो गई है। घटना सागर जिले के शाहपुर कस्बे की है जहां आज भारी बारिश के चलते दीवार भरभराकर गिर गई। इस हादसे में कराया गया है। घटना सुबह 8.30 बजे की बताई जा रही है। सागर के जिला कलेक्टर दीपक आर्य ने कहा कि कुछ बच्चे घायल हैं और उनका इलाज चल रहा है, जबकि घटना स्थल से सारा मलबा हटा दिया गया है। यहां कल रात से तेज बारिश हो रही

9 मासूमों की मौत हो गई। इस बादसे के बाद राहत बचाव कार्य लगातार जारी है। जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। जानकारी के मुताबिक तेज बारिश के बाद सुबह शाहपुर कस्बे में स्थित एक मंदिर की दीवार गिर गई। दुर्घटना के बाद मलबे में कई बच्चे दब गए। इनमें से 9 की मैत हो गई जबकि दो घायल हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती थी। माना जा रहा है कि इसी के चलते यह दीवार गिरी है। इस हादसे में जिन 9 बच्चों की मौत हुई है वह 10 से 15 साल के बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक यह हादसा उस वक्त हुआ जब वहां एक धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था। यहां सावन में आयोजित कार्यक्रम के लिए शिवलिंग का निर्माण किया जा रहा था।

वायनाड के तबाह घरों में अब हो रही चोरी

● अब तक 365 लोगों की हो गई मौत 206 लोग लापता

वायनाड (एजेंसी)। केरल के वायनाड में 29-30 जुलाई की रात भारी बारिश के बाद हुए लैंडस्लाइड में मरने वालों की संख्या 365 पहुंच गई है। इनमें 30 बच्चे शामिल हैं। 206 लोग अब भी लापता हैं। वायनाड लैंडस्लाइड में घर-जमीन खो चुके लोगों के पुनर्वास के लिए सरकार एक टाउनशिप बनाएगी। इधर एजेंसी के मुताबिक लैंडस्लाइड के बाद रिलीफ कैंप में रह रहे लोगों का कहना है कि उनके घरों में चोरियां हो रही हैं।

बिहार में तेजस्वी बढ़ाएंगे नीतिश-बीजेपी की टेंशन!

● 15 अगस्त के बाद करेंगे नई रणनीति पर काम शुरू

पटना (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 में तेजस्वी यादव बिहार में एनडीए को सबक सिखाने की बात कर रहे थे लेकिन चुनाव परिणाम उनके मन-मुताबिक नहीं रहे। बिहार के लोगों ने राजद को लोकसभा की सिर्फ चार सीटें दीं। हालांकि ये बात और है कि राजद को बिहार में सबसे ज्यादा वोट मिला। अब तेजस्वी यादव 15 अगस्त के बाद बिहार में अपने पार्टी कार्यकर्ताओं में नया जोश भरने के लिए नई यात्रा की शुरुआत करने वाले हैं।

एमपी-महाराष्ट्र और हिमाचल में 'बारिश' ने मचाया आतंक

● लोगों का जीना हुआ मुहाल,भारी बारिश से बाढ़ के हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। एमपी-महाराष्ट्र और हिमाचल के अलग-अलग इलाकों में बीते कई दिनों से बारिश हो रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग का कहना है कि यह सिलसिला जारी रहने

वाला है। आईएमडी ने शनिवार को राज्य के पालघर, पुणे और सतारा जिलों के संबंध में 5 अगस्त के लिए रेड अलर्ट जारी किया। साथ ही, ठाणे, मुंबई, रायगढ़, सिंधुदुर्ग और नासिक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी हुआ है। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कहा कि पालघर में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा और कुछ जगहों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

यूपी में मुश्किल में बीजेपी, दूर नहीं हो रही चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा में लोकसभा चुनाव नतीजों के बाद देश के विभिन्न राज्यों से सामने आ रही नाराजगी से पार्टी नेतृत्व असहज है। खासकर उत्तर प्रदेश के हालात उसके लिए चिंता का विषय है, जहां राज्य के बड़े नेताओं के मतभेद कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। हरियाणा और मध्य प्रदेश में भी नाराजगी सामने आ रही है। कहीं सरकार के भीतर दिक्कतें हैं, तो कहीं सत्ता और संगठन में अनबन बढ़ रही है। उत्तर प्रदेश को लेकर भाजपा नेतृत्व ने राज्य के नेताओं को आपसी मतभेदों को उजागर न करने और विधानसभा उप चुनाव के लिए एकजुट होकर तैयारी करने को कहा है।

ऋषिकेश से अंतिम संस्कार कर लौट रहा था परिवार

राजस्थान में सड़क हादसा,4 लोगों की मौत

सवाई माधोपुर (एजेंसी)। सवाई माधोपुर में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर रविवार सुबह 7 बजे एक कार ट्रक से टकरा गई। हादसे में भाई-बहन समेत 4 लोगों की मौके पर मौत हो गई। 6 लोग

● दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसा, दो सगे भाई-बहन

घायल हो गए। हादसा सूरवाल थाना क्षेत्र के त्रिलोकपुरा गांव के पास हुआ। ट्रक ड्राइवर मौके से फरार हो गया। सीओ सिटी हेमेंद्र शर्मा ने बताया- परिवार की एक महिला ऋषिकेश (उत्तराखंड) में भागवत कथा कार्यक्रम में गई थी, जहां उसकी मौत हो गई थी। मौत की सूचना के बाद परिजन ऋषिकेश पहुंचे। परिजन ने शव घर लाने के बजाय उसका अंतिम संस्कार ऋषिकेश में

ही किया। अंतिम संस्कार करने के बाद सभी परिजन घर लौट रहे थे। इसी दौरान ड्राइवर को झपकी आ गई। वह कार का बैलेंस खो बैठा और कार पीछे से ट्रक में घुस गई। हादसे में मोनिका (24) पुत्री कचरूलाल प्रजापत, राजन (22) पुत्र कचरूलाल प्रजापत, रेखा (42) पत्नी ईश्वर लाल प्रजापत और धापू देवी (65) पत्नी हीरालाल प्रजापत की मौत हो गई। मोनिका और राजन भाई-बहन थे। धापू देवी और रेखा मां-बेटी थे। शव जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाए गए हैं। पायल (26) पत्नी कमलेश प्रजापत, कृष्णा (40) पत्नी कचरूलाल प्रजापत, बुलबुल (22) पुत्री कचरूलाल प्रजापत, ज्योति (37) पत्नी अर्जुन प्रजापत, अनिता (1) पुत्री अर्जुन और शकील खान (24) पुत्री नबी खान घायल हुए हैं।

अब खत्म होगा इंतजार, 'बुलेट' ट्रेन दौड़ने को तैयार

15-20 मिनट में ही 100 किमी की पूरी होगी यात्रा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुलेट ट्रेन का इंतजार कर रहे लोगों के लिए अच्छी खबर है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राज्यसभा में बताया कि बुलेट ट्रेन में 2 कैटेगरी होंगी, पहली सामान्य और दूसरी स्पेशल

● कहां तक पहुंचा काम,रेल मंत्री ने संसद में सब बताया

क्लास की। उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान वैष्णव ने पूरक प्रश्नों के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुलेट ट्रेन परियोजना पर काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा, '320 फिलर बनाने का काम पूरा हो गया है। समुद्र के नीचे करीब 50 मीटर गहरी सुरंग

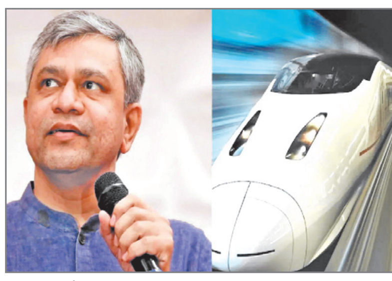

बनाने और स्टेशन बनाने का काम भी तेजी से चल रहा है।' अश्विनी वैष्णव ने बताया कि 1995 से 2012 तक दिल्ली मेट्रो के निदेशक रहे ई श्रीधरन ने बहुत अच्छी व्यवस्था मेट्रो में रखी... कि श्रेणी का वर्गीकरण नहीं होना चाहिए। तब मैं तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यालय में काम करता था। श्रीधरन की बात को ध्यान में रखते हुए बुलेट ट्रेन में 2 कैटेगरी होंगी, पहली सामान्य और दूसरी विशिष्ट वर्ग की। उन्होंने कहा, 'वंदे भारत में भी दो ही श्रेणी रखी गई थीं। हमारी प्राथमिकता एक ही श्रेणी की है ताकि कहीं भी आ कर बैठ सके। ऐसा इसलिए है क्योंकि हम जैसे समृद्ध समाज की परिकल्पना करते हैं तो उसमें श्रेणियां नहीं आतीं।

आतंकियों पर लगाम के लिए 'पुलिस-पब्लिक' फॉर्मूला

जम्मू में पुलिस ने शुरू किया स्पेशल प्लान, दक्षिणी हिस्से से शुरुआत

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर में हालिया दिनों में आतंकी घटनाओं में इजाफा हुआ है। अब इस पर लगाम लगाने के लिए स्पेशल प्लान तैयार किया गया है। इसके तहत 'पुलिस-पब्लिक' फॉर्मूला आजमाया जा रहा है। जम्मू पुलिस ने आम नागरिकों के लिए इसका विवरण जारी कर दिया है। बता दें कि बीते दिनों में खासतौर पर जम्मू आतंकियों के निशाने पर रहा है। लाइन ऑफ कंट्रोल पर घुसपैठ की कोशिशें भी खूब हुई हैं। आतंकी हमलों में जम्मू में करीब 22 लोग मारे गए हैं, जिनमें 11 सुरक्षा जवान, एक गांव रक्षा गार्ड का सदस्य भी शामिल है। यह घटनाएं राजौरी, पुंछ, रियासी, ऊधमपुर, कठुआ और डोडा जिलों में हुई हैं। वहीं, पिछले महीने कठुआ और डोडा जिले में दो एनकाउंटर्स के दौरान पांच आतंकियों को भी मार गिराया गया।

नालंदा में लोकायन नदी का पश्चिमी तटबंध टूटा, आधा दर्जन भर गांव डूबे

बिहारशरीफ, एजेंसी। नालंदा जिले के हिलसा अनुमंडल के पश्चिमी क्षेत्र से गुजरने वाली लोकायन नदी का तटबंध टूट गया है. इससे आसपास के आधा दर्जन से अधिक गांव में बाढ़ का पानी फैल गया. लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जा रहा है. शनिवार की रात करीब 3 बजे तटबंध टूटने की बात कही जा रही है. अनुमंडल पदाधिकारी प्रवीण कुमार अधिकारियों के साथ कैंप कर रहे हैं. प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है. जिलाधिकारी शशांक शुभंकर भी क्षतिग्रस्त हुए तटबंध का निरीक्षण किए हैं.

नदी के उद्गम स्थल क्षेत्र झारखंड में हुई भारी वर्षा के कारण हिलसा व एकंगरसराय प्रखंड क्षेत्र में नदी के तटबंध में कई जगहों पर बड़ा दरार पड़ गया है. जिससे नदी का पानी नदी के पश्चिमी क्षेत्र मैं फैल रहा है. नदी में तेज बहाव के कारण हिलसा प्रखंड के धुरी बिगहा के उत्तर पश्चिम लोकायन नदी के तटबंध में करीब 30 फीट का कटाव हो गया. कटाव के कारण धुरी बिगहा, मुरलीगढ़, फुलवरिया, सोहरापुर, कुसेता, छियासठ बिगहा गांव एवं खेतों में पानी भर गया है.

घाना बीघा गांव के पूर्व तटबंध टूटने के कारण बेलदारी बिगहा, घाना बीघा के गांव एवं खेत जलमग्न हो गया है. अनुमंडल पदाधिकारी के अनुसार दो स्थानों पर पानी के तेज बहाव के कारण तटबंध को नुकसान पहुंचा है. लोगों को घरों से बाहर निकाला जा रहा है और राहत शिविरों में भेजा जा रहा है. बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच चूड़ा और गुड़ का वितरण किया जा रहा है. ग्रामीणों के अनुसार 2016 के बाद नदी में इतना पानी आया है.

अनुसूचित जाति का आधार छुआछूत है, चिराग आरक्षण कोटे में कोटा से असहमत

सुप्रीमकोर्ट में दाखिल करेंगे रिव्यू पेटिशन

पटना, एजेंसी। एससी-एसटी में क्रीमी लेयर पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान असहमति जताई है। लोजपा (रामविलास) प्रमुख ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से असहमत हैं और हमने इस असहमति को प्रमुखता से दर्ज किया है।

हम इस बात को लेकर स्पष्ट हैं कि अनुसूचित जाति का आधार छुआछूत है। इसका शैक्षणिक या आर्थिक आधार नहीं है। ऐसे में इसमें क्रीमी लेयर का प्रावधान नहीं हो सकता।

चिराग ने कहा कि आरक्षण के अंदर आरक्षण सही नहीं है, क्योंकि आज भी दलित युवक का उदाहरण दिया जाता है, जिसे घोड़ी चढ़ने से रोका जाता है... ऐसे कई बड़े नाम हैं, जो ऊंचे पदों पर हैं, लेकिन उनके मंदिर जाने पर भी मंदिर को गंगा जल से धोया जाता है। आज भी छुआछूत के आधार पर भेदभाव होता है... इसलिए हम लोजपा (रामविलास) इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका भी दाखिल करने जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

हथियार के बल पर अपराधियों ने पिकअप से लूटी बैट्री

कल्याणपुर, एजेंसी। थाना क्षेत्र के दुमदुमा पुल के पास शुक्रवार की देर रात एक बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने पिकअप को कब्जे में लेकर तीन इनवर्टर की बैटरी को लूट ली. घटना को अंजाम देने के बाद सभी अपराधी मौके से फरार हो गये. सूचना के आधार पर पुलिस चालक से पूछताछ कर रही है. चालक की मानें तो शुक्रवार की देर रात वह पटना से इनवर्टर वाली बैटरी की खेप लेकर मधुबनी जा रहा था. इसी बीच दुमदुमा पुल के पास एक बाइक पर सवार तीन अपराधी पीछा करते हुए हथियार के बल पर रुकने को मजबूर कर दिया. अपराधियों ने हथियार लहराते हुए चालक के पॉकेट से छह सौ रुपए निकाल लिये. साथ ही गाड़ी के ऊपर लगे त्रिपाल को चाकू से काट कर तीन बैटरी निकाल ली. तीन बैटरी लेकर मौके से फरार हो गया. जिसकी कीमत पचास से साठ हजार बतायी गयी है. चालक की पहचान उजियारपुर थाना अंतर्गत सातनपुर निवासी अरविंद कुमार के पुत्र भारतेंदु कुमार के रूप में हुई है. कल्याणपुर पुलिस चालक से गहनता से पूछताछ कर रही है. थानाध्यक्ष नीतिश चंद्र धारिया ने बताया कि चालक द्वारा सूचना दी गई है. जिसके आधार पर पुलिस अनुसंधान में जुटी हुई है.

थाना क्षेत्र के बघमारा पुल के पास दरभंगा से घर लौट रहे मजदूर पर पेड़ गिर गया. इसके कारण साइकिल सवार मजदूर गंभीर रूप से जख्मी हो गया. प्राथमिक इलाज बरहेता के निजी नर्सिंग होम में कराया गया. गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए दरभंगा रेफर कर दिया गया. जहां इलाज के दौरान शनिवार की सुबह मौत हो गई. मृतक की पहचान मालीपुर गांव निवासी हाफी सहनी के पुत्र श्याम सहनी के रूप में हुई है. शव को लेकर कल्याणपुर थाना पर लाया है. जिसके आधार पर पुलिस ने कार्रवई में जुटी है.

कट्टा एवं कारतूस के साथ अपराधी गिरफ्तार

खजौली, एजेंसी। थाना कांड के गिरफ्तार अप्राथमिकी अभियुक्त कन्हौली तुरकाहा गांव निवासी रौशन कुमार ठाकुर को बीती रात थानाध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह, अपर थानाध्यक्ष राम कुमार, पीएसआई जितेश कुमार मिश्रा ने बेलाकोठी मुख्य सड़क के लचका पर गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अभियुक्त रौशन कुमार ठाकुर को पुलिस साथ लेकर उनके कन्हौली तुरकाहा गांव स्थित घर पर छापेमारी की. गिरफ्तार अभियुक्त के कमरे में बिछावन पर तकिया के नीचे से एक देसी कट्टा एवं 315 बोर का जिंदा कारतूस बरामद कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया. थानाध्यक्ष ने कहा कि अप्राथमिकी अभियुक्त रौशन कुमार ठाकुर पूर्व में बाइक चोरी का अप्राथमिकी अभियुक्त था. अभियुक्त के घर से देसी कट्टा एवं जिंदा कारतूस बरामद किया गया है. उन्होंने कहा कि अभियुक्त शातिर अपराधी है. वह पूर्व में कई लोगों का बाइक की चोरी एवं चलते राहगीर से छिनतई की घटना का अंजाम दिया था. पुलिस अभियुक्त रौशन कुमार ठाकुर को जेल भेज दिया है. छापेमारी में बीएमपी सशस्त्र पुलिस बल विकास कुमार, सुमन कुमार एवं महाल चौकीदार परमेश्वर पासवान शामिल थे.

रोगी कल्याण समिति की बैठक में सदस्यों ने सी सेक्शन को उपकरण खरीद का रखा प्रस्ताव

बेनीपट्टी, एजेंसी। अनुमंडल कार्यालय में एसडीएम मनीषा की अध्यक्षता में अनुमंडलीय अस्पताल के रोगी कल्याण समिति की बैठक हुई. बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई. इस दौरान एसडीएम ने संबंधित समिति का गठन के पश्चात डोकोमेंट्री उपलब्ध कराने की बात कही. ताकि रोगी कल्याण समिति का निबंधन कराया जा सकें. जिस पर सभी उपस्थित सदस्यों ने सहमति जताई. शीघ्र ही सभी आवश्यक कागजात उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया. राज्य स्वास्थ्य समिति के निर्देश के आलोक में भाव्या पोर्टल के सफल संचालन के लिए इंटरनेट लगवाने का प्रस्ताव रखा गया. जिसे सभी सदस्यों से सर्वसम्मति से पारित किया. मरीजों के लिये पेयजल एवं आरओ की व्यवस्था करने, अनुमंडलीय अस्पताल में सी सेक्शन हेतु उपकरणों एवं अतिआवश्यक दवा की खरीदारी करने का प्रस्ताव उपस्थित सदस्यों द्वारा रखा गया. जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से सभी प्रस्तावों का बारी-बारी से अनुमोदन कर प्रस्ताव पारित किये. तत्पश्चात समिति की अध्यक्ष सह एसडीएम ने बैठक की कार्यवाही समाप्त की. मौके पर डीसीएलआर राजू कुमार, अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. सुशील कुमार, डॉ. अमित कुमार साह, सीडीपीओ अंजना, जीविका के प्रखंड परियोजना प्रबंधन प्रणवतोष मिश्रा, डॉ. नुजहत परवीन, राम वरण राम व प्रभारी बीइओ मो. इसरार अहमद सहित अन्य लोग मौजूद थे.

खगड़िया में स्कूल में दौड़ा करंट

दो दर्जन बच्चे और शिक्षक चपेट में आए; 6 विद्यार्थी अस्पताल में भर्ती

गोगरी (खगड़िया), एजेंसी। खगड़िया के गोगरी प्रखंड अंतर्गत इटहरी पंचायत स्थित मध्य विद्यालय कटघरा में शनिवार को एकाएक करंट दौड़ पड़ा। इसकी चपेट में लगभग दो दर्जन बच्चे और दो शिक्षिका मंजरी मिश्रा व सिंकू कुमारी आ गए। विद्यालय में अफरातफरी मच गई।

तत्काल शिक्षक अब्दुल्ला ने विद्यालय के मेन स्विच से लाइन काटी। इसके बाद स्थिति सामान्य हुई। सूचना पर इटहरी पंचायत के पंसस सह गोगरी उपप्रमुख अशोक पंत और बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे।

आनन-फानन में छह बच्चों को गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। जहां मौजूद चिकित्सक डा. आयुष कुमार ने सभी का इलाज किया। बच्चे अभी इलाजरत हैं। डा. आयुष कुमार ने कहा कि करंट लगने से प्रभावित छह बच्चों का इलाज किया गया है। सभी खतरे से बाहर हैं। वेट एंड वॉच में रखा गया है।

अनुमंडलीय अस्पताल में वर्ग छह के पियुष पटेल, जानसन कुमार, सोनाक्षी कुमारी, वर्ग सात के आयुष कुमार, वर्ग पांच की स्वीटी कुमारी और वर्ग तीन की रिया कुमारी को भर्ती कराया गया है। गोगरी उपप्रमुख अशोक पंत ने कहा कि अन्य बच्चों का गांव में ही ग्रामीण चिकित्सकों ने इलाज किया है। सभी सुरक्षित हैं।

इधर, सूचना पर गोगरी एसडीओ सुनंदा कुमारी, बीडीओ राजाराम पंडित भी अस्पताल पहुंचे और इलाजरत बच्चों व उनके अभिभावकों से जानकारी ली। गोगरी एसडीओ ने कहा कि सभी बच्चे सुरक्षित हैं। मामले की जांच की जाएगी। इस मामले में दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

मध्य विद्यालय कटघरा के शिक्षकों ने बताया कि विद्यालय से कुछ ही दूरी पर विद्युत ट्रांसफार्मर है। बारिश हुई है। अचानक ट्रांसफार्मर में आग लगी और पूरे विद्यालय क्षेत्र में करंट दौड़ गया। उस समय लंच ब्रेक चल रहा था। सभी बच्चे खाना खा रहे थे। जो बच्चे खाली पैर थे और ग्रिल, गेट व चापाकल के पास थे, वे करंट की चपेट में आ गए। जानकारी के अनुसार, उस समय प्रधानाध्यापक इरफान अली विद्यालय में मौजूद नहीं थे।

डीएमसीएच की सर्जरी बिल्डिंग के निर्माण पर एसीएस ने जताया असंतोष

दरभंगा, एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने शनिवार को डीएमसीएच परिसर स्थित सर्जरी बिल्डिंग का निरीक्षण किया. सचिव ने पांचवें, तीसरे व ग्राउंड फ्लोर का जायजा लिया. भवन के निर्माण कार्य पर असंतोष जताया. कहा कि लगता है कई दिनों से काम बंद है. भवन के सिलिंग के काम पर विशेष ध्यान देने को कहा. काम में किसी प्रकार की कोताही नहीं बरतने की बात कही. सिलिंग से लीकेज नहीं हो, इसका ध्यान रखने का निर्देश दिया. सचिव ने कहा कि सर्जरी बिल्डिंग में 10 ओटी का काम पूरा होना है. बीएमएसआइसीएल ने काम पूरा करने के लिए और दो माह का समय मांगा. एसीएस ने हर हाल में दो माह के भीतर कार्य को पूरा कर लेने का निर्देश दिया. कहा कि इसकी मॉनीटरिंग वे खुद कर रहे हैं. विजिट करने दोबारा आने की बात कही. सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में इंडोर सेवा से पूर्व मैनपावर को लेकर सचिव ने कहा कि अस्पताल प्रशासन को मदद करेंगे. विदित हो कि पिछले साल 27 नवंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सर्जरी व एमसीएच बिल्डिंग का उद्घाटन किया था. आठ माह बीतने के बाद भी कार्य अधूरा है. अपर मुख्य सचिव दोपहर करीब एक बजे डीएमसीएच परिसर पहुंचे. करीब आधा घंटा तक सर्जरी बिल्डिंग के बीएमएसआइसीएल कार्यालय में बैठक की. इसमें विधायक संजय सरावगी, डीएमसी प्राचार्य डॉ केएन मिश्रा, डीएमसीएच अधीक्षक डॉ अलका झा, उपाधीक्षक डॉ हरेन्द्र कुमार, डॉ सुरेन्द्र कुमार व संबंधित विभाग के अधिकारी शामिल थे. उसके बाद करीब 50 मिनट तक सर्जरी बिल्डिंग के बल्ड बैंक, ओटी आदि का निरीक्षण किया. दोपहर करीब 02.15 बजे गंगवाड़ा के लिये रवाना हो गये. गंगवाड़ा स्थित प्रस्तावित कैंसर अस्पताल का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये. एम्स को लेकर सकारात्मक माहौल में हो रहा कार्य- एम्स को लेकर एसीएस ने बताया कि भूमि, सड़क एवं पानी देना राज्य सरकार का कार्य है. मामले को लेकर डीएम के साथ बैठक हुई है.

नालंदा में लोकायन नदी का पश्चिमी तटबंध टूटा, दर्जनभर गांवों में आई बाढ़

लोगों को राहत शिविरों में भेजा जा रहा

बिहारशरीफ, एजेंसी। नालंदा जिले के हिलसा अनुमंडल के पश्चिमी क्षेत्र से गुजरने वाली लोकायन नदी के उद्गम स्थल क्षेत्र झारखंड में हुई भारी वर्षा के बाद शनिवार की रात तकरीबन 3 बजे पानी आया है।

नदी में पानी आने के कारण हिलसा व एकंगरसराय प्रखंड क्षेत्र में नदी के तटबंध में कई जगहों पर बड़ा दरार पड़ गया है। जिससे नदी का पानी नदी के पश्चिमी क्षेत्र मैं फैल रहा है।

आधा दर्जन से अधिक गांव में बाढ़ का पानी फैल गया। नदी में तेज बहाव के कारण हिलसा प्रखंड के धुरी बिगहा के उत्तर पश्चिम लोकायन नदी के तटबंध में तकरीबन 30 फीट का कटाव हो गया। कटाव के कारण धुरी बिगहा, मुरलीगढ़, फुलवरिया, सोहरापुर, कुसेता, छियासठ बिगहा गांव एवं खेतों में पानी भर गया है।

वहीं, घाना बीघा गांव के पूर्व तटबंध टूटने के कारण बेलदारी बिगहा, घाना बीघा के गांव एवं खेत जलमग्न हो गया है। अनुमंडल पदाधिकारी प्रवीण कुमार अधिकारियों के साथ कैंप कर रहे हैं।

अनुमंडल पदाधिकारी के अनुसार दो स्थानों पर पानी के तेज बहाव के कारण तटबंध को नुकसान पहुंचा है। लोगों को घरों से बाहर निकाला जा रहा है और राहत शिविरों में भेजा जा रहा है।

क्लस्टर बनाकर मशरूम उत्पादन करने की जरूरत : कुलपति

पूसा, एजेंसी। डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय स्थित संचार केंद्र के पंचतंत्र सभागार में मशरूम उत्पादन एवं प्रसंस्करण तकनीक विषय पर प्रशिक्षकों के लिए 15 दिनी आवासीय प्रशिक्षण शुरू हुआ. अध्यक्षता करते हुए कुलपति डा पीएस पांडेय ने कहा कि किसानों को क्लस्टर बनाकर मशरूम उत्पादन करने की जरूरत है. इसके लिए उत्पादकों को मांग के अनुरूप अपने उत्पादों एवं उत्पादनों को बढ़ाने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने अब देश को दुनिया भर में मशरूम उत्पादन में प्रथम बनाने को लेकर प्रयास शुरू कर दिया है. विश्वविद्यालय की ओर से वैज्ञानिकों की टीम ने गोवा, राजस्थान, झारखंड आदि राज्यों का दौरा किया है. वहां के किसानों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है. कहा कि मशरूम महिला सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है. निदेशक अनुसंधान डॉ एके सिंह ने कहा कि डॉ पांडेय के सहायक महानिदेशक के कार्यकाल में ही में मशरूम परियोजना की शुरुआत की गई थी और आज उनके कुलपति के कार्यकाल में इसे देश भर में लागू करने की शुरुआत हो गई है. मशरूम वैज्ञानिक डॉ दयाराम, निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ एमएस कुंडू, डॉ सुधानंदिनी, डॉ आरपी प्रसाद, डॉ रामप्रभात आदि मौजूद थे.

मोहिउद्दीननगर. ई-किसान भवन के सभागार में शनिवार को कृषि विभाग से जुड़े कार्यों व योजनाओं की समीक्षा की गयी. अध्यक्षता करते हुए बीएओ कमलेश कुमार मिश्र ने कहा कि संभावित सुखाड़ को देखते हुए किसानों के बीच डीजल अनुदान को लेकर प्रचार प्रसार करने की जरूरत है. इस दौरान बताया गया कि डीजल अनुदान के लिए कृषि विभाग का ऑनलाइन आवेदन का पोर्टल खुला है. किसान कृषि विभाग के वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं. प्रति लीटर डीजल पर 75 रुपये का अनुदान है. एक किसान को एक एकड़ के लिए 10 लीटर डीजल अनुमान्य है. वहीं, एक किसान अधिकतम आठ एकड़ तक के लिए तीन पटवन का आवेदन दे सकते हैं. डीजल अनुदान का लाभ रैयत एवं बटाईदार दोनों किसानों को दिया जायेगा. आवेदन के दौरान किसानों को सरकार के निर्देश का अनुपालन करना अनिवार्य होगा. इस दौरान खरीफ महाअभियान के लिए बीज वितरण की गहन समीक्षा कर कृषि कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया. साथ ही बताया गया कि बेबी कॉर्न की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए कृषि विभाग की ओर से 90 किलोग्राम बीज प्रखंड उपलब्ध कराया गया है. जिसे प्रखंड के सभी पंचायतों में प्रत्यक्षण के लिए किसानों के बीच वितरण करना है. इस मौके पर कृषि समन्वयक गौतम चौधरी, प्रभात कुमार सिंह, मुकेश कुमार, धीरेंद्र कुमार, मनोज कुमार, निशांत कुमार, बीटीएम रवि कुमार मल्लिक, धनंजय कुमार सिंह, सुधीर कुमार, अरुण प्रभाकर, विनोद शर्मा, संजीव कुमार, संदीप सिंह, प्रेम कुमार, शिवनाथ कुमार, राकेश रमण, धर्मेंद्र दास चौपाल, राकेश कुमार, गरीबनाथ राय मौजूद थे.

अडानी ग्रुप की नवादा के बाद अब बिहार के इस जिले पर नजर, सीमेंट कारखाने के लिए सरकार को भेजा प्रस्ताव

पटना, एजेंसी। बिहार में अडानी ग्रुप का निवेश अभी और बढ़ेगा. अडानी ग्रुप की नजर अब बिहार के दूसरे जिलों पर भी है. अडानी ग्रुप ले बिहार सरकार के पास एक और सीमेंट कारखाने का प्रस्ताव भेजा है. नवादा में सीमेंट कारखाने के शिलान्यास के बाद सरकार भी राज्य में निवेश को लेकर काफी उत्साहित है. बिहार के उद्योग मंत्री नीतिश मिश्र कहते हैं कि आनेवाला वक्त बिहार का है. हर राज्य अपना विकास कर चुका है. अब बिहार की बारी है. अडानी ग्रुप के बिहार में हुए बड़े निवेश पर उद्योग मंत्री नीतिश मिश्र कहते हैं कि यह तो महज शुरुआत है. अडानी ग्रुप और बहुत सारी कंपनियां बिहार में निवेश की इच्छुक हैं. अडानी ग्रुप ने मुजफ्फरपुर में भी सीमेंट कारखाना लगाने का प्रस्ताव सरकार के सामने रखा है. उन्होंने कहा कि उत्तर बिहार के

मुजफ्फरपुर जिले में अडानी ग्रुप करीब एक हजार करोड़ का निवेश करना चाहता है. सरकार अडानी ग्रुप के इस प्रस्ताव पर गंभीरता से विचार कर रही है.

नवादा के वारिसलीगंज में शुरू हो रहे अदाणी ग्रुप के सीमेंट प्लांट के संबंध में उद्योग मंत्री ने कहा कि इस प्लांट से न केवल हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा, बल्कि उस पूरे इलाके का आर्थिक वातावरण भी बदल जायेगा. प्राइवेट सेक्टर में नौकरियों की कमी झेल रहे बिहार जैसे राज्य में किसी कंपनी का यह सबसे बड़ा निवेश है. जाहिर है बिहार के लिए ये बहुत बड़ी बात है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व की चर्चा करते हुए उद्योग मंत्री ने कहा कि भविष्य बिहार का है और मुख्यमंत्री यह बात साबित कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर भारत का बिहार दरवाजा है. बिहार से ही हम पूरे उत्तर पूर्व की ओर जाते हैं, ऐसे में बिहार को समृद्ध करने से पूरा उत्तर पूर्व का इलाका समृद्ध होगा.

शनिवार को नवादा में सीमेंट प्लांट के शिलान्यास के मौके पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी अदाणी ग्रुप के एमडी प्रणव अदाणी प्रणव अदाणी को धन्यवाद देते हुए बिहार सरकार की तरफ से भरपूर सहयोग का आश्वासन दिया. भारत के अग्रणी बिजनेस समूह अदाणी ग्रुप का बिहार में स्वागत है और जिस भी क्षेत्र में वो निवेश करना चाहे, बिहार सरकार हर संभव मदद करने को तैयार है. बिहार सरकार ये चाहेगी कि निवेश ऐसे क्षेत्र में हो, जिससे ज्यादा से ज्यादा सीधे तौर पर रोजगार पैदा किया जा सके. बिहार में निवेशकों का हर तरह से ख्याल रखा जायेगा.

महिला प्रतीक्षालय को लेकर सीनियर डीसीएम ने ली जानकारी

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर रेल मंडल के सीनियर डीसीएम अनन्या स्मृति ने शनिवार को समस्तीपुर जंक्शन का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाने का निर्देश दिया. प्रतीक्षालय को लेकर उन्होंने एसी सुविधा नहीं होने की जानकारी ली. महिला प्रतीक्षालय के दो साल से बंद पड़े रहने को लेकर भी उन्होंने कहा कि महिलाओं के सुविधा को और बेहतर बनाया जायेगा. इस दौरान जंक्शन के छह प्लेटफार्म पर महिला शौचालय नहीं होने की जानकारी भी उन्हें दी गई. पे एंड यूज शौचालय का भी उन्होंने जायजा लिया. इसके बाद अनारक्षित टिकट कार्यालय पहुंची. जहां उन्होंने डॉरमेट्री बुकिंग को लेकर आंकड़ों की माहवार देने को कहा. इस दौरान जंक्शन से संचालित टिकट सुविधा केंद्र को टिकट बिक्री से संबंधित आंकड़े देने को भी कहा गया. इसके बाद विभिन्न डॉरमेट्री का जायजा उन्होंने लिया. इसमें सुविधाओं को और सुधारने का निर्देश दिया. इसके बाद वर्कशॉप में निरीक्षण के दौरान स्क्रैप के निपटारे को लेकर अधिकारियों को इस त्वरित स्तर पर कार्रवाई करने की का निर्देश दिया. इसके अलावा वर्कशॉप में एसी लगाने को लेकर भी उन्होंने पहल करने को कहा. इस दौरान डॉरमेट्री जाने वाले रास्तों पर बिजली की खराब व्यवस्था को लेकर भी नाराजगी जतायी. इसके बाद टिकट निरीक्षक कार्यालय का भी उन्होंने निरीक्षण किया. जहां संबंधित जानकारियां दी गई. मौके पर मुख्य वाणिज्य निरीक्षक दिलीप कुमार, वाणिज्य अधीक्षक बृजेश कुमार, एसीएम राजेश कुमार, प्रमोद कुमार, मुख्य टिकट निरीक्षक अवधेश कुमार, सुबोध कुमार गुप्ता सहित वाणिज्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे.

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

समाचार पत्र के ले आउट और डिजाइनिंग के लिए कलात्मकता और काल्पनिकता जरूरी

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा चाणक्य परिसर में रविवार को लेआउट डिजाइनिंग विषयक विशेष एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के संरक्षक कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव थे। अध्यक्षता मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अंजनी कुमार झा ने की। मुख्य वक्ता के रूप में समाचारपत्र के मुख्य लेआउट डिजाइनर आलोक श्रीवास्तव उपस्थित थे । स्वागत विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने की। कार्यशाला के संयोजक डॉ सुनील दीपक घोड़के थे।बतौर मुख्य वक्ता आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि ले-आउट और डिजाइनिंग बनाने के लिए विद्यार्थियों की कलात्मक सोच विकसित होनी चाहिए। उन्होंने समाचार पत्रों में ले-आउट और डिजाइनिंग से जुड़े कई सारे महत्वपूर्ण तत्वों को विद्यार्थियों के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि लेआउट और डिजाइनिंग किसी भी समाचार पत्र की आत्मा होती है, जिससे पाठक वर्ग ख़बरों की ओर आकर्षित होते हैं व उसे पढ़ने में रुचि लेते हैं। उन्होंने समाचार पत्रों में उपयोग होने वाले ग्राफिक्स,पाई चार्ट, फ्रंट पेज डिजाइनिंग, फोटो एडिटिंग, कलर कंट्रास्ट ,न्यूज़ पोजिशनिंग, इंफोग्राफ, बार ग्राफ, गटर स्पेस, साइज बैलेंस, हैडलाइन तथा मास्ट हेड से संबंधित कई सारी जानकारी विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करते हुए उसके महत्व व जरूरतों के बारे में जानकारी दी साथ ही डिजाइनिंग व लेआउट से संबंधित कई सारे सॉफ्टवेयर जैसे एडोब, फोटोशॉप ,इनडिजाइन, क्वार्क एक्सप्रेस, कोरल ड्रा आदि का उपयोग तथा इनमें उपलब्ध फीचर के बारें में डिस्प्ले के माध्यम से विद्यार्थियों को समझाया। उन्होंने समाचार पत्रों को आकर्षक व पढ़ने योग्य बनाने के कई सारे आयामों के बारे में भी विद्यार्थियों से चर्चा की। उन्होंने कहा की एक डिजाइनर को हर वक्त अपने काम के प्रति सचेत व रचनात्मक होने की जरूरत है ताकि ख़बर व्यवस्थित दिखें। अध्यक्षीय उद्बोधन में मीडिया अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अंजनी कुमार झा ने कहा की लेआउट और डिजाइन किसी भी समाचारपत्र के नींव से जुड़ी है तथा विद्यार्थियों को उसके बारे में जानकारी होनी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कौन सी खबर कहा लगेगी यह खबरों के महत्व के ऊपर निर्भर करता है। स्वागत उद्बोधन में डॉ. परमात्मा कुमार मिश्र ने कहा कि समाचारपत्रों के लेआउट डिजाइन के बारे में विस्तार से जानना पत्रकारिता के विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है। कार्यशाला का उद्देश्य भी लेआउट डिजाइन के विभिन्न आयामों से परिचित कराना है। तकनीकी प्रगति के बाद लेआउट डिजाइन में अनेक महत्वपूर्ण बदलाव आये है। उन्होंने कहा कि अखबार को दिलचस्प व आकर्षित बनाने के लिए लेआउट और डिजाइन का विशेष महत्व है।धन्यवाद ज्ञापन डॉ परमात्मा कुमार मिश्र और संचालन एमजेएमसी तृतीय सेमेस्टर के छात्र प्रतीक कुमार ने की।आयोजन समिति में डॉ. साकेत रमन एवं डॉ उमा यादव थे। मुख्य वक्ता का परिचय अपूर्वा त्रिवेदी, छात्रा बीजेएमसी ने प्रस्तुत की।

पूर्वी चंपारण के दो तस्कर 10 करोड़ के चरस के साथ गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के दो तस्कर 10 करोड़ के चरस के साथ गिरफ्तार किये गये है। उक्त कारवाई यूपी-बिहार सीमा के बलथरी चेकपोस्ट पर शनिवार को गोपालगंज जिला के कुचायकोट थाना पुलिस ने की है। बताया गया कि गुप्त सूचना के बाद एनएच 27 पर पूर्वी चंपारण की ओर से आने वाले वाहनों की जांच शुरू की गई, इस दौरान दिल्ली नंबर की एक स्विफ्ट डिजायर कार आती दिखाई दी। जब रोककर कार की तलाशी ली गई तो कार में बनाये गये तहखाने से 71. 140 किलो चरस बरामद किया गया,साथ ही दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार तस्करों की पहचान पूर्वी चंपारण के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सुदीश कुमार व पताही थाना क्षेत्र के परसौनी गांव के मंदीप कुमार के रूप में हुई हैं।पूछताछ में तस्करो ने बताया कि चरस नेपाल से दिल्ली लेकर जा रहा था। बरामद चरस की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में दस करोड़ आंकी गई है। इसकी तहकीकात के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को भी सूचना दी गई है। गोपालगंज एसपी स्वर्ण प्रभात के अनुसार ड्रग्स तस्करी के इस पूरे नेटवर्क को खंगालने के लिए टीम का गठन किया गया है।

मोतिहारी में बच्ची को चुरा कर बेचने ले जा रहा मानव तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में जीआरपी व आरपीएफ के सहयोग से एक मानव तस्कर को गिरफ्तार किया गया है, साथ ही चोरी कर बेचने ले जा रहे एक चार वर्षीय एक मासूम बच्ची को शनिवार को मुक्त कराया गया। मुक्त करायी गयी बच्ची जिले के बंजरिया थाना क्षेत्र के सिसवा पश्चिमी पंचायत की रहने वाली है। मिली जानकारी के अनुसार चार वर्षीय बच्ची अपने घर में सोई थी तभी शुक्रवार की देर रात लक्ष्मी प्रसाद उर्फ विक्की नामक मानव तस्कर ने उसे सोए हुए अवस्था में उठा लिया था। सुबह में परिजनो ने बच्ची को गायब देख कि बंजरिया थाना को सूचित किया।इसके बाद बंजरिया थाना की पुलिस ने तलाश के क्रम में इसकी सूचना रेल थाना को भी दी। जिसके बाद यह पता चला कि रक्सौल से हावड़ा जाने वाली ट्रेन में एक व्यक्ति बच्ची को लेकर जा रहा है,बच्ची चिल्लाते हुए कह रही है,कि यह युवक उसका कोई नहीं है और उसे जबरदस्ती अपने साथ ले जा रहा है।इस सूचना के बाद रेल पुलिस व आरपीएफ ने मेहसी स्टेशन पर उस युवक को बच्ची के साथ पकड़ लिया। जिसके बाद उसे मोतिहारी लाया गया। पूछताछ में यह सामने आया युवक बच्ची के पड़ोस के गांव का ही रहने वाला है, और उसने बच्ची को चोरी से उठाकर बेचने के ख्याल से पहले सुगौली स्टेशन पहुंचा फिर वहां से मिथिला एक्सप्रेस पर सवार होकर कोलकाता ले जा रहा था। जीआरपी ने बरामद बच्ची को परिजनो को सौंप दिया है, वही पकड़े गये युवक को अग्रेतर कारवाई के लिए बंजरिया थाना पुलिस को सौप दिया है।

राष्ट्रगान व सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर स्क्रीनिंग 12 अगस्त को

नवनिर्मित ऑडिटोरियम में होगी स्क्रीनिंग

बीएनएम। मोतिहारी।

जिला प्रशासन के तत्त्वावधान में स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर होने वाले राष्ट्रगान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी को लेकर अंबेडकर भवन स्थित बिहार शिक्षा परियोजना कार्यालय के सभागार में शनिवार को एक आवश्यक बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता जिला शिक्षा पदाधिकारी संजीव कुमार ने की। बैठक में विभिन्न सरकारी व निजी विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक एवं संस्थाओं से जुड़े लोग उपस्थित हुए। बैठक में डीईओ श्री कुमार ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न जगहों पर झंडोत्तोलन के अवसर पर राष्ट्रगान की प्रस्तुति तथा सायंकालीन सांस्कृतिक समारोह में स्कूली छात्र- छात्राओं की भागीदारी को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उन्होंने बताया कि सरकारी, गैरसरकारी विद्यालय तथा संस्थाओं के छात्र- छात्राओं को 12 अगस्त को पूर्वाह्न 10.30 बजे से राजा बाजार स्थित नवनिर्मित ऑडिटोरियम में स्क्रीनिंग के लिए आमंत्रित किया गया है। स्क्रीनिंग के पश्चात चयनित प्रतिभागियों को गांधी मैदान, समाहरणालय, पुलिस केंद्र, पुलिस अधीक्षक कार्यालय, गांधी संग्रहालय, सदर अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय आदि स्थलों पर राष्ट्रगान की प्रस्तुति के लिए भेजा जाएगा। वहीं स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सायंकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए भी उसी दिन प्रतिभागियों का चयन कर लिया जाएगा।

जिले के 205 ईट निर्माताओ के विरूद्ध निकला गैर जमानती वारंट

बीएनएम। मोतिहारी

जिला प्रशासन ने वर्षो से सरकारी राशि दबाकर बैठे 205 ईट निर्माताओ के विरूद्ध गैर जमानतीय वारंट जारी किया है। प्रशासन की इस बड़ी कार्रवाई के चिमनी संचालक ईट निर्माताओ में हड़कंप मचा हुआ है। जिला नीलाम पत्र पदाधिकारी यशवंत एवं नीलाम पत्र के वरीय पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता आपदा प्रबंधन पदाधिकारी राजेश्वरी पांडे ने बताया कि डिफॉल्टर चिमनी संचालक यदि गिरफ्तारी से बचना चाहते हैं तो जिला खनन कार्यालय से संपर्क स्थापित कर और अविलंब बकाया राशि चालान के माध्यम से बैंक में जमा करें और जमा राशि की रसीद जिला नीलाम पत्र कार्यालय में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे ताकि केस की कार्रवाई नियम अनुसार समाप्त कर चिमनी संचालकों को देनदारी से मुक्त कर दिया जाए ।

किडनी स्टोन इलाज की समस्त सुविधाएं

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

A MULTI SPECIALITY HOSPITAL

डॉ. मनोज कुमार गुप्ता
MBBS, MS, FMAS Ex- SR, BSA Medical College
Delhi Ex- Asst. Prof. Govt. Medical College
यूरोलॉजिस्ट एण्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. महेन्द्र सिंह
MBBS, MS, MCH (Urology)
Ex- HOD Urology, IGIMS, Patna
सीनियर यूरोलॉजिस्ट एण्ड एण्ड्रोलाजिस्ट

डॉ. हेमन्त कुमार
MBBS,MD, (Psychiatry) BHU, Varanashi
मस्तिष्क, मानसिक, नशा एवं सेक्स रोग विशेषज्ञ

डॉ. मीना
MBBS,DGO, DNB, (OBG), FMAS
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

हमारी सुविधाएँ
- दूरबीन से Gall Bladder Surgery, CBD सर्जरी
- दूरबीन से बच्चेदानी (TLH, LAVH) की सर्जरी
- Renal Stone, Ureteric Stone की सभी सर्जरी
- पेशाब सम्बधी सभी बीमारी का इलाज
- सभी स्त्री रोग सर्जरी एवं जेनरल सर्जरी की सुविधाएँ
- एडभांस सर्जरी में विश्वसनीयता / सारी सुविधाएँ
- सिरदर्द एवं मानसिक रोगों का पूर्ण इलाज
- 24 घंटा नॉर्मल डिलिवरी / सिजेरियन की सुविधा

Mob.- 9507919091, 07562964700, 8969970077

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी
बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

सावन की तीसरी सोमवारी को उमड़ेगी श्रद्धालुओं की भीड़, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

बीएनएम । अरेराज

उत्तर बिहार का काशी कहा जाने वाला सोमेश्वरनाथ महादेव की नगरी अरेराज में भगवान शिव के सबसे प्रिय महीना श्रावण मास की तीसरी सोमवारी पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ सकती है। पिछली दो सोमवारी को देखते हुए अनुमंडल प्रशासन, पुलिस प्रशासन व मंदिर प्रबंधन पूरी तरह तैयार है। शिवनगरी में आनेवाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो इसके लिए विशेष इंतजाम किया गया हैं। सावन के तीसरे सोमवार को शिवनगरी में जलाभिषेक के लिए उमड़ने वाले भक्तों के सैलाब को देखते हुए तीसरी सोमवारी को श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रण करने के लिए मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारी व सैकड़ो की संख्या में महिला व पुरुष सुरक्षा कर्मी श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ पर नियंत्रण के लिए तैनात रहेंगे। बात दें कि सावन मास की दुसरी सोमवारी को भीड़ बढ़ने से नगर क्षेत्र में कहीं कहीं जाम की समस्या उत्पन्न हो गई थी। इसके लिए तिलावे नदी के बैरिकेडिंग को कुछ और आगे बढ़ाया गया है। तीसरे सोमवार को भी पूरब क्षेत्र से आनेवाले आम लोगों के लिए पुरानी धर्मशाला, अस्पताल रोड होते हुए हरदिया चौक निकलने की व्यवस्था है। सोमवार को मेला क्षेत्र में सभी वाहनों का प्रवेश पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। वाहनों को पड़ाव स्थल पर ही ठहरने का निर्देश दिया गया है। मेला क्षेत्र में विधि व्यवस्था बनाये रखने के लिए मजिस्ट्रेट और पुलिस अफसरों को चिन्हित स्थल पर तैनात किया गया है। एसडीएम अरुण कुमार, डीएसपी रंजन कुमार के निर्देश पर अरेराज थानाध्यक्ष विभा कुमारी ने दलबल के साथ श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए बने विभिन्न पड़ाव स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारियां ली। बीडीओ आदित्य नारायण दीक्षित, सीओ उदय प्रताप सिंह ने भी मेला क्षेत्र का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लिया। पुरूष एवं महिलाओं के कतार के लिए बनाए गए बैरिकेडिंग को मरम्मत कर और मजबूत किया गया है। सबसे ज्यादा दबाव तिलावे पुल के पास रहता है। जिसको देखते हुए बैरिकेडिंग की लाइन में अतिरिक्त पुलिस की व्यवस्था की गई है। सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी रविशंकर गिरि ने बताया कि सोमेश्वरनाथ महादेव का पूजन व जलाभिषेक से अकाल मृत्यु का भय समाप्त हो जाता है। मनवांछित फल हेतु शिवभक्त अपने ईष्ट को प्रसन्न करने के लिए दूध, दही, घी, मधु, ईख के रस और गंगाजल आदि से अभिषेक कर फूल, बेलपत्र, भाग, धतूर, समी, अकवन पुष्प आदि से पूजन करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

दो माह का बिजली का बिल लाखों में आया, उपभोक्ता परेशान

बीएनएम। हरसिद्धि। प्रखंड क्षेत्र के उज्जैन लोहियार पंचायत के सिंगाहा निवासी बिजली उपभोक्ता गुडु कुमार, पिता-प्रसाद दास के घर दो माह बिजली बिल लाखो का आया। बिजली बिल देखकर उपभोक्ता की नीद उड़ गई।बिजली उपभोता गुडु कुमार ने बताया कि मेरे घर में बिजली की पुराना मीटर पहले लगा हुआ था, जिसको मई माह में विभाग के द्वारा स्मार्ट मीटर लगाया गया, मैने पुराना बिल को चुकता कर दिया है। जुन में बिजली विभाग के द्वारा 1492461.63 रुपये का बिजली बिल आया है, उसके बाद माह जुलाई में 1536777,76 एक माह का ब्याज जोड़कर आया है, उसके बाद बिजली उपभोक्ता ने बिजली बिल को लेकर अरेराज बिजली एसडीओ के पास पहुंचे तो उन्होंने बताया कि मीटर रीडिंग कराकर देखा जायेगा, लेकिन बिजली उपभोक्ता कई दिनों से विभाग की चक्कर लगा रहा है, परंतु कोई जबाब नहीं मिल रहा है। विभाग के द्वारा बिल जमा करने की दबाव बना रहा है। जिससे उपभोक्ता परेशान है। इस मामले को लेकर बिजली उपभोक्ता गुड्डू कुमार ने स्थानीय विधायक के पास एक लिखित आवेदन देकर जांच कराने की मांग किया है।

तीसरी सोमवारी के कांवरिया सेवा शिविर का भव्य उद्घाटन

बीएनएम । मुजफ्फरपुर : आज तीसरी सोमवारी के कांवरिया सेवा शिविर का उद्घाटन हृदय सम्राट माननीय अभिजीत कुमार, महाप्रबंधक बिहार राज्य पर्यटन विभाग पटना, माननीय बोचहा विधायक अमर पासवान और जदयू नेता अनुपम जी द्वारा किया गया। शिविर का शुभारंभ करते हुए अतिथियों का स्वागत अंग वस्त्र और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार अमर ने बताया कि इस बार पांच सोमवारी पड़ने के कारण कांवरियों की संख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी को ध्यान में रखते हुए विशेष सेवा का आयोजन किया गया है, ताकि कांवरियों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। संघटन मंत्री अभिषेक आर्या ने जानकारी दी कि शिविर में कांवरियों को प्रसाद रूपी भोजन, गरम पानी, ठंडा पानी, चाय, नींबू पानी, और दवाइयां जैसी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। सैकड़ों कार्यकर्ता इस सेवा कार्य में लगातार योगदान दे रहे हैं। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष राज कुमार राजपाल, प्रिंशु मोदी, सुनील कुमार ठाकुर, महासचिव अशोक अंदाज, कौशल किशोर, पवन जैसवाल, शंकर, सोनू, रोहित, विकास रजक, मनोज सिंह, विकास सराफ, संजय कुमार शर्मा, राजीव, रवि पासवान, विष्णु, विकास कुमार, साक्षी जैसवाल, रेखा देवी, और चंदा देवी उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी सदस्यों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे कांवरियों के बीच संतोष और प्रसन्नता का माहौल बना रहा। शिविर की व्यवस्था को लेकर स्थानीय लोगों ने भी सराहना की।"

भारतीय ज्ञान परंपरा में छिपे हैं वैश्विक समस्याओं के समाधानः डॉ. डी. एन. सिंह

बीएनएम । मुजफ्फरपुर : विद्या भारती क्षेत्रीय विद्वत परिषद की एक ऑनलाइन बैठक में "भारतीय ज्ञान परंपरा" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में डॉ. डी. एन. सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का आधार वैज्ञानिक और व्यावहारिक चिंतन है, जिसमें सभी वैश्विक समस्याओं के समाधान निहित हैं। उन्होंने जोर दिया कि यह हजारों वर्ष पुरानी परंपरा विश्व बंधुत्व की भावना से परिपूर्ण है। डॉ. सिंह ने बताया कि इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था सेल की स्थापना की है, जिसके माध्यम से नई शिक्षा नीति के मूल्यों को धरातल पर उतारने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत केंद्रित शिक्षा पद्धति को वैश्विक स्तर पर लागू करना आवश्यक है और इसके लिए समग्र प्रयासों की जरूरत है। संगोष्ठी में डॉ. सिंह ने इस बात पर भी बल दिया कि भारतीय ज्ञान परंपरा को वर्तमान शिक्षा प्रणाली में शामिल करने से संतुलित और समृद्ध शिक्षण प्रणाली का विकास संभव है। इसके साथ ही उन्होंने सभी क्षेत्रों में शोध और अनुसंधान पर जोर देने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अन्य वक्ताओं में लोक शिक्षा समिति की पदाधिकारी डॉ. सुधा बाला, भाषा विकास मंच के संयोजक डॉ. राजेश्वर कुमार, प्रोफेसर अंकज कुमार और डॉ. प्रतिमा ने भी भारतीय ज्ञान परंपरा पर अपने विचार साझा किए। संगोष्ठी की शुरुआत डॉ. सौरभ कुमार द्वारा सरस्वती वंदना के साथ हुई।

कांवरिया सेवा शिविर सह वृक्षारोपण अभियान का आयोजन

बीएनएम । मुजफ्फरपुरः

आरडीएस कॉलेज के एनएसएस इकाई के सौजन्य से कॉलेज परिसर में कांवरिया सेवा शिविर सह वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एनएसएस कार्यकर्ताओं ने कांवरियों को आवश्यक चिकित्सा सेवा प्रदान की। जरूरतमंद कांवरियों के पैर की मरहम पट्टी और मालिश की गई, ताकि वे अपनी यात्रा को आसानी से जारी रख सकें। कांवरियों को तरोताजा रखने के लिए नींबू पानी का भी वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान एनएसएस कार्यकर्ताओं ने भोले बाबा के गीतों की प्रस्तुति कर कांवरियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्य, डॉ. अनिता सिंह ने कहा, "मानव सेवा ही सच्ची नारायण सेवा है। थके हारे बाबा के भक्तों की सेवा करने से अपार पुण्य की प्राप्ति होती है। सेवा शिविर के आयोजन से लोगों में सेवा भावना के साथ-साथ भक्ति भाव की ऊर्जा संचालित होती है। ऐसे आयोजन के लिए एनएसएस के कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं।" कार्यक्रम पदाधिकारी, डॉ. पयोली ने कहा, "कॉलेज परिसर में हर वर्ष कांवरिया सेवा शिविर का आयोजन एनएसएस कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाता है। यह पवित्र एवं आध्यात्मिक सेवा कार्य है। ऐसे कार्यक्रम से सेवा भावना के साथ-साथ आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता है। इस कार्यक्रम में शिक्षकों और छात्रों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।" इस अवसर पर कॉलेज परिसर में दर्जनों आयुर्वेदिक और छायादार पौधे लगाए गए, जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। मौके पर डॉ. राजीव कुमार, डॉ. सारिका चौरसिया, डॉ. मीनू कुमारी, डॉ. ललित किशोर, अशोक कुमार, नीता कुमारी, दीपक कुमार, इंदल कुमार, उज्जवल कुमार, आलोक कुमार समेत अनेक शिक्षक और छात्र उपस्थित थे। छात्रों में आकाश, आशीष, चंद्र विवेक, आलोक कुमार, जगमोहन, सोनू, राहुल, नितेश, अमन, नीरज, अभिषेक, सिद्धार्थ, प्रणव, कृष्णा, पुरुषोत्तम, ऋषभ, गुंजा, श्रावणी, नेहा, प्रतीक्षा, अंजलि, सृष्टि प्रसून, अंजलि, ईशा, पूजा, जिज्ञासा, और रत्ना ने कांवरियों की सेवा में अपना योगदान दिया। कार्यक्रम ने सेवा और भक्ति भाव का वातावरण बनाया, जिसमें हर एक सहभागी ने पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ हिस्सा लिया।

पुरानी बाजार में कांवड़ियों के लिए सेवा शिविर का आयोजन, 1500 श्रद्धालुओं हेतु व्यवस्था

बीएनएम । मुजफ्फरपुरः

रविवार को "सोशल वर्कर फॉर विमेन इंपावरमेंट" और "महादेव सेवा दल" के संयुक्त तत्वाधान में पुरानी बाजार में सेवा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 1500 कांवड़ियों को भोजन कराया गया और उनके आराम करने की व्यवस्था की गई। शिविर में कांवड़ियों को शरबत, चाय, बिस्किट, पानी, और दवाइयां भी वितरित की गईं। महादेव सेवा दल और सोशल वर्कर की टीम ने घायल कांवड़ियों की मरहम पट्टी की और उनकी सेवा में पूरी श्रद्धा दिखाई। कांवड़ियों के साथ आए छोटे बच्चों को बिस्किट और टॉफी भी दी गई, जिससे बच्चे भी खुश नजर आए। इस सेवा शिविर में संस्था की फाउंडर बबली, अध्यक्ष रानू गुप्ता, सेक्रेटरी पूनम गुप्ता, एडिटर मीरा जायसवाल, कोषाध्यक्ष डॉ. बेनु वर्तिका, मीना गुप्ता, श्रुति श्रेया, अनीता सिंघानिया, पलक अग्रवाल, और महादेव सेवा दल टीम के सदस्य राहुल कुमार झा, राजू, शिवम जी, आकाश, निशु, और छोटू समेत सभी सदस्य उपस्थित थे। इस पहल को लेकर उपस्थित लोगों ने संस्था की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य से समाज में आपसी सहयोग और सद्भावना का संदेश फैलता है।

इनरव्हील क्लब मुजफ्फरपुर ने महिलाओं व बच्चों संग मनाया मित्रता दिवस

बीएनएम । मुजफ्फरपुरः

इनरव्हील क्लब मुजफ्फरपुर ने आज 'मित्रता दिवस' के अवसर पर बैरिया कोल्हुआ में महिलाओं और बच्चों के बीच कार्यक्रम का आयोजन किया। इस खास मौके पर केक कटिंग समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी उपस्थित महिलाओं और बच्चों ने मिलकर हिस्सा लिया। क्लब के सदस्यों ने वहां उपस्थित सभी महिलाओं और बच्चों के हाथों में फ्रेंडशिप बैंड बांधा, जिससे मित्रता का संदेश फैलाया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को सिन्दूर, चूड़ी, बिन्दी और मेहंदी वितरित की गई, जिससे वहाँ की महिलाओं में खुशी की लहर दौड़ गई। इस आयोजन ने महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी और उन्हें विशेष महसूस कराया। इस अवसर पर क्लब की प्रेसिडेंट रूपा सिन्हा, आई. एस. ओ अर्चना सिंह, पीपी सुधा सिंह और एडिटर डॉ. बेनू वर्तिका विशेष रूप से उपस्थित थीं। उन्होंने महिलाओं को मित्रता और सामुदायिक सद्भावना के महत्व को बताया और इस प्रकार के आयोजन को आगे भी जारी रखने की बात कही। कोल्हुआ की महिलाओं ने इस प्रयास की सराहना की और क्लब की इस पहल के लिए धन्यवाद व्यक्त किया।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime | ADCA | DCA | CCC | COMPUTER BASIC | ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 | RAKESH KUMAR | bdscomputer.in

सांख्य और कर्मयोग का संबंध

भौतिक जगत के विश्लेषणात्मक अध्ययन (सांख्य) का उद्देश्य आत्मा को प्राप्त करना है। भौतिक जगत की आत्मा विष्णु या परमात्मा है. भगवान की भक्ति का अर्थ परमात्मा की सेवा है। एक विधि से वृक्ष की जड़ खोजी जाती है और दूसरी विधि से उसको सींचा जाता है। सांख्य दर्शन का वास्तविक छात्र जगत के मूल अर्थात विष्णु को ढूंढता है, और फिर पूर्णज्ञान समेत अपने को भगवान की सेवा में लगा देता है। अतः मूलतः इन दोनों में कोई भेद नहीं है क्योंकि दोनों का उद्देश्य विष्णु की प्राप्ति है। जो लोग चरम उद्देश्य को नहीं जानते, वे ही कहते हैं कि सांख्य और कर्मयोग एक नहीं है। किंतु जो विद्वान है, वह जानता है कि इन दोनों भिन्न विधियों का उद्देश्य एक है। दार्शनिक शोध (सांख्य) का वास्तविक उद्देश्य जीवन के चरम लक्ष्य की खोज है। चूंकि जीवन का चरम लक्ष्य आत्म-साक्षात्कार है, अतः दोनों विधियों से प्राप्त होने वाले परिणामों में कोई अन्तर नहीं है। वस्तुतः जो पदार्थ से विरक्ति व कृष्ण में आसक्ति को एक तरह देखता है, वही वस्तुओं को यथारूप में देखता है। मायावादी संन्यासी सांख्य दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं तथा वैष्णव संन्यासी वेदान्त सूत्रों के यथार्थ भाष्य भागवत दर्शन के अध्ययन में लगे रहते हैं। वैष्णव संन्यासियों को भौतिक कार्य से कोई सरोकार नहीं रहता, तो भी वे भगवान की भक्ति में नाना प्रकार के कार्य करते हैं। किन्तु मायावादी संन्यासी, जो सांख्य तथा वेदान्त के अध्ययन व चिन्तन में लगे रहते हैं, भगवान की दिव्य भक्ति का आनन्द नहीं उठा पाते। उनका अध्ययन अत्यन्त जटिल हो जाता है, अतः वे कभी-कभी ब्रह्म चिन्तन से ऊबकर समुचित बोध बिना ही भागवत की शरण ग्रहण करते हैं। मायावादी संन्यासी कभी-कभी आत्म-साक्षात्कार के पथ से नीचे गिर जाते हैं और फिर से समाजसेवा, परोपकार जैसे भौतिक कर्म में प्रवृत्त होते हैं। अतः निष्कर्ष निकला कि कृष्णभावनामृत के कार्य में लगे रहने वाले लोग ब्रह्म-अब्रह्म विषयक चिन्तन में लगे संन्यासियों से श्रेष्ठ होते हैं, यद्यपि वे भी अनेक जन्मों के बाद कृष्णभावनाभावित हो जाते हैं।

आरक्षण के भीतर आरक्षण की व्यवस्था का अहम फैसला

ललित गर्ग

सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जातियों-जनजातियों यानी एससी-एसटी समुदाय में आरक्षण के भीतर आरक्षण का रास्ता साफ करके आरक्षण की व्यवस्था को तार्किक, न्यायसंगत, समानतापूर्ण बनाने का सराहनीय कार्य किया है। न्यायालय के इस तरह के फैसले मिसाल ही नहीं, मशाल बन कर सामने आ रहे हैं, जिससे राष्ट्र की विसंगतियों एवं विडम्बनाओं से मुक्ति की दिशाएं उद्घाटित हो रही है। यह फैसला कई बिल्कुल अलग-अलग वजहों से अहम माना जा रहा है। क्योंकि बड़ा सच यह है कि ओबीसी समाज की तरह एससी-एसटी समुदाय में भी कई जातियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति न केवल कहीं कमजोर है, बल्कि उन्हें अपने ही वर्ग की अन्य जातियों से भेदभाव का भी सामना करना पड़ता है। यह एक ऐसी सच्चाई है, जिससे कोई इन्कार नहीं कर सकता। यह भी एक तथ्य है कि एससी-एसटी समुदाय में कई जातियां ऐसी हैं, जिन्हें आरक्षण का न के बराबर लाभ मिला है। ऐसा इसीलिए हुआ है, क्योंकि आरक्षण का अधिक लाभ इन वर्गों की अपेक्षाकृत समर्थ जातियां उठाती हैं। यही स्थिति ओबीसी में है। कई अति पिछड़ी जातियों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचा है। राजनीतिक एवं संवैधानिक विसंगतियों के कारण ऐसा होता रहा है। सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय संविधान पीठ ने जहां छह-एक के बहुमत से एससी-एसटी आरक्षण में कोटे के भीतर कोटे को संविधानसम्मत बताया, वहीं चार न्यायाधीशों ने इन वर्गों के आरक्षण में उसी तरह क्रीमी लेयर की व्यवस्था लागू करने की भी आवश्यकता जताई, जैसी ओबीसी आरक्षण में है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस फैसले से 2004 के पांच सदस्यीय संविधान पीठ के फैसले को पलट दिया, जिसमें कहा गया था कि एससी-एसटी समुदाय एक जैसा है और उनकी विभिन्न जातियों में कोई भेद नहीं किया जा सकता। यह वस्तुस्थिति नहीं थी, इस विसंगति को सुधार कर सुप्रीम कोर्ट ने न्यायसंगत उपक्रम किया है। अब राज्यों एवं केन्द्र सरकार को बहुत सावधानी से कदम उठाने होंगे। इस ताजे फैसले के बाद अनेक राज्यों में जातिगत गणना की होड़ शुरु हो सकती है एवं राजनीति दलों में आरक्षण का मुद्दा नये आक्रामक रूप में उभर सकता है। लेकिन एक आदर्श समता, समानता एवं संतुलनमूलक समाज-व्यवस्था को निर्मित करने की दिशा में कोर्ट का यह फैसला अहम है। संविधान पीठ के अनुसार, आरक्षण का मुख्य

मकसद आर्थिक और सामाजिक समानता लाना है, पर इसके लिए शहर और गांव की सामाजिक हकीकत में अंतर के साथ आर्थिक पहलुओं को ध्यान में रखना जरूरी है। एससी समुदाय में भी दो बड़े वर्ग है, जिनमें गहरा फासला है। बड़े अफसरों और बड़े वकीलों के बच्चों की तुलना में मैला ढोने वाले बच्चों से करना कैसे न्यायसंगत हो सकता है? इसलिए पीछे रह गई जातियों को मुख्यधारा में लाने के लिए ओबीसी की तर्ज पर एससी में भी कोटे के भीतर कोटे को न्यायाधीशों ने सांविधानिक माना है। आज के समय में इस फैसले की जरूरत को समझा जा सकता है, लेकिन समस्या यह है कि देश में 140 करोड़ जनसंख्या की सामाजिक स्थिति और आर्थिक हैसियत के आंकड़े स्पष्ट तौर पर उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्थिति में जनसंख्या के आधार पर आनुपातिक आरक्षण की मांग बढ़ने से सामाजिक और राजनीतिक विद्वेष बढ़ सकता है। क्या इस फैसले से राज्यों में मनमानी बढ़ सकती है? अब नौजवानों से जुड़े अनेक मुद्दों जैसे रोजगार, कोचिंग, अग्निवीर, नीट, इंटर्नशिप, नकल और शिक्षा पर बहस के बीच इस फैसले से क्रीमीलेयर का मुद्दा फिर गरमा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में उपवर्गीकरण करने का अधिकार राज्य सरकारों को भी दे दिया है। इस अधिकार का दुरुपयोग होने की आशंका भी है, क्योंकि सत्तारूढ़ राजनीतिक दल वोट बैंक बनाने के लालच में एससी-एसटी जातियों का मनमाना उपवर्गीकरण कर सकते हैं। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि आरक्षण सामाजिक न्याय का जरिया है, न कि वोट बैंक की राजनीति का हथियार। वैसे भी अब तक देश में आरक्षण वोट बैंक को सुदृढ़ बनाने का हथियार बना रहा है और राजनीतिक दल इसका अनुचित लाभ उठाते हुए अपेक्षित समुदायों तक आरक्षण का लाभ नहीं पहुंचने दिया। सुप्रीम कोर्ट के नये फैसले के बाद स्थितियां उग्र एवं आक्रामक होने के साथ प्रभावी भी होगी। इसलिये अब आरक्षण का कई पहलुओं से मूल्यांकन जरूरी हो गया है। वैसे फैसले में साफ कर दिया गया है कि किसी भी तरह का उप-वर्गीकरण स्पष्ट और भरोसेमंद डेटा के ही आधार पर ही किया जा सकता है। देखा जाए तो इस शर्त के जरिए फैसले का संकीर्ण एवं स्वार्थपूर्ण राजनीतिक हितों के लिए इस्तेमाल करने की संभावित कोशिशों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है। एससी, एसटी, ओबीसी, दिव्यांग, महिला, ईडब्ल्यूएस जैसी सभी वर्गों के आरक्षण को जोड़ा जाए, तो 99 फीसदी आबादी आरक्षण के दायरे में आ जाती है। चारों राज्यों में होने वाले चुनावों के मद्देनजर देखें, तो इस फैसले के बाद आरक्षण की राजनीति के साथ अदालतों में मुकदमेबाजी भी बढ़ सकती है, जिसका समाधान सूझबूझ एवं लोकतांत्रिक तरीके से करना होगा। अनुच्छेद-19 के तहत नागरिकों को पूरे देश में व्यवसाय और रोजगार का अधिकार है, इसलिए आरक्षण के माध्यम से न्याय और समानता स्थापित करने के लिए जातियों के व्यापक वर्गीकरण की राष्ट्रीय नीति को न्यायिक मान्यता देनी पड़ेगी। आरक्षण के बावजूद अपेक्षित लोगों को इसका लाभ न मिलना संवैधानिक एवं राजनीतिक विसंगति का प्रमाण है। ताजे फैसले के बाद राज्य सरकारें अब अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग में भी आरक्षण के लिए अलग-अलग श्रेणियां बना सकती हैं। इस फैसले के बाद इन वर्गों में हाशिए पर पड़ी जातियों को आरक्षण का फायदा मिलने की उम्मीद जगी है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि यह बात भी लगातार उठाई जा रही थी कि समुचित अवसर नहीं मिलने के कारण आरक्षित एससी-एसटी वर्ग में भी ऐसी कई जातियां हैं जो सामाजिक और आर्थिक तौर पर पिछड़ेपन से उबर नहीं पा रही हैं। आरक्षण के बावजूद भूमिहीन एवं निर्धन लोगों की स्थिति आज भी दयनीय एवं असंतुलित है। क्योंकि उच्च प्रशासनिक अधिकारियों के बच्चों के बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि उनकी स्थिति गांव में रहने वाले भूमिहीन-निर्धन-अभावग्रस्त लोगों के बच्चों जैसी है। सच यही है कि आरक्षण की व्यवस्था का फायदा भी एससी/एसटी श्रेणी के तहत आने वाली सभी जातियां समान रूप से नहीं उठा सकीं। ताजा फैसला इस सचाई को स्वीकार करते हुए राज्य सरकारों के लिए यह गुंजाइश बनाता है कि वे इस व्यवस्था का फायदा उन तबकों तक पहुंचाने की व्यवस्था करें जिन तक यह ठीक से नहीं पहुंचा है। हमारे देश में आरक्षण की व्यवस्था को लागू करते समय भी इसी बात की जरूरत महसूस की गई थी कि आरक्षण व्यवस्था से समाज के वंचित और उपेक्षित वर्ग-समुदाय को समाज की मुख्यधारा में आने का मौका मिलेगा। ऐसा हुआ भी। पर इस तरह की आवाजें भी लगातार उठने लगी हैं कि एससी-एसटी वर्ग में कुछ लोगों को ज्यादा फायदा मिल रहा है और कुछ तक आरक्षण व्यवस्था का अंश तक नहीं पहुंच पा रहा है। इसको लेकर इन आरक्षित वर्गों में ही विद्रोह के भाव भी समय-समय पर देखने को मिलते रहे हैं। अच्छा होगा कि एससी-एसटी आरक्षण का उपवर्गीकरण करने के साथ ही उसमें क्रीमी लेयर का सिद्धांत लागू किया जाए। आरक्षित वर्गों में जो भी अपेक्षाकृत सक्षम और संपन्न हैं, उन्हें आरक्षण का लाभ दिया जाना सामाजिक न्याय की मूल भावना के खिलाफ तो है ही, वंचित-निर्धन लोगों के साथ किया जाने वाला अन्याय भी है। आरक्षण प्रदान करते समय यह देखा ही जाना चाहिए कि उसका लाभ पाने वाला पात्र है या नहीं? अब जब सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी समुदाय में आरक्षण के उपवर्गीकरण और क्रीमी लेयर की जरूरत जता दी है, तब फिर यह आवश्यक हो जाता है कि मोदी सरकार ओबीसी आरक्षण में उपवर्गीकरण की संभावना का पता लगाने के लिए गठित रोहिणी आयोग की रिपोर्ट पर अमल करने की दिशा में आगे बढ़े। कुल मिलाकर, ताजा फैसला न सिर्फ नीति-निर्माण के स्तर पर महत्वपूर्ण दखल है बल्कि आरक्षण जैसे मसले पर भविष्य के लिए दिशासूचक का भी काम कर सकता है।

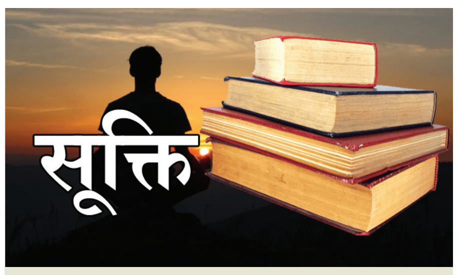

बाधाएं दरअसल भी भयावह चीजें है, जिन पर आपका ध्यान उस समय जाता है जब आप की नजर लक्ष्य से हट जाती है।

हेनरी फोर्ड

सही राह पर होने के बाद भी यदि आप वहां बैठे ही रहोगे तो कोई गाड़ी आपको कुचलकर चली जायेगी।

विल रोजर्स

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण मासे शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि प्रतिपदा सोमवासरे, अश्लेषा नक्षत्रे, व्यतीपात योगे, वालव करणे, सिंह की चंद्रमा, दिन 3/25 तक विष्णु शिवात्मक अभिषेक प्रा. तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान किन्तु जिद्दी-हठी, लकड़ी का व्यापारी, उद्योगपति, आरा मशीन वाला, लकड़ी बेचने वाला, ट्रक-बस का मालिक, वाहन चलाने वाला होगा।

मेष :- मित्र से पीड़ा, यात्रा, विवाद, मातृ-कष्ट, व्यर्थ का विरोध, पड़ोसियों से विरोध बढ़ेगा।

वृष :- व्यय, व्यापार में प्रगति, शुभ कार्य होंगे, परिवार अपने अनुकूल बना रहेगा।

मिथुन :- पितृ कष्ट, यात्रा योग, व्यय, लाभ, अस्थिर व अशांति का वातावरण रहेगा, ध्यान दें।

कर्क :- यात्रा सुख, भूमि लाभ, सिद्धी, खेती व गृह कार्य की व्यवस्था उत्तम बनी रहेगी।

सिंह :- शरीर कष्ट, आय-व्यय, कार्य में सफलता, आर्थिक सुधार आदि के कार्य अवश्य होंगे।

कन्या :- खर्च, विवाद, स्त्री कष्ट, विद्या लाभ, धीरे-धीरे सुधार के साथ लाभ अवश्य होगा।

तुला :- यात्रा से हानि, राज लाभ, शरीर कष्ट, खर्च की मात्रा अधिक रहेगी, ध्यान रखें।

वृश्चिक :- वृत्ति से लाभ, यात्रा, सम्पत्ति लाभ, व्यापार में सुधार होगा, खर्च होते ही रहेंगे।

धनु :- अल्प लाभ, चोर-अग्नि भय, मानसिक परेशानी, अपवाद, उलझनों का सामना होगा।

मकर :- शत्रु से हानि, आय-व्यय, शरीर आदि सुख होगा, कभी-कभी कुछ कमी की व्यवस्था रहे।

कुम्भ :- शुभ व्यय, संतान सुख, कार्य सफलता, उत्साह की वृद्धि होगी, रुके कार्य बनेंगे।

मीन :- पदोन्नति, राजभय, लाभ-हानि तथा अधिकारियों से मन-मुटाव बना रहेगा।

न्यायपालिका के विश्वसनीयता की कलई खोली स्वयं मुख्य न्यायाधिपति ने

सनत जैन

भारत की सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने भारतीय न्याय व्यवस्था की कलई स्वयं खोलकर रख दी है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने तथा स्पेशल लोक अदालत आयोजन के समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मुख्य वक्ता के रूप में कहा, कि लोग न्याय प्रक्रिया से तंग आ जाते हैं। वह किसी तरह से सेटलमेंट करके न्याय प्रक्रिया से छुटकारा चाहते हैं। भारतीय न्यायपालिका की कार्यप्रणाली दंडित करने जैसी है। उन्होंने स्वीकार किया, कि यह सभी जजों के लिए चिंता का विषय है। मुख्य न्यायमूर्ति ने कहा- हम बेहतर परिणाम देने की कोशिश करेंगे। यह बात वह इसके पहले भी कई बार कह चुके हैं, लेकिन न्याय प्रक्रिया को लेकर आमजनता के बीच यह धारणा बनती चली जा रही है कि न्यायालय में केवल सक्षम लोगों को ही न्याय मिल सकता है। मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग के लोगों के लिए न्याय के नाम पर अन्याय ही किया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका की साख में तेजी के साथ गिरावट आई है। एक जमाना था जब न्यायाधीशों को लोग भगवान के रूप में देखते थे। न्यायालय से जो न्याय मिलता था, उसमें भले विलंब होता था लेकिन न्याय तो मिलता था। पिछले कुछ वर्षों में न्याय मिलना बंद हो गया है। न्यायालय जनता के लिए नहीं अब सरकारों के लिए काम कर रही हैं। यह स्पष्ट रूप से अब दिखने लगा है। बाबा साहब अंबेडकर ने जो संविधान बनाया था उसमें न्यायपालिका को सर्वोच्च स्थान दिया था। ब्रह्मा, विष्णु, महेश की तर्ज पर शक्तियों का बंटवारा न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के बीच में किया था। तीनों के ऊपर एक-दूसरे का अंकुश था। न्यायपालिका को संविधान में सबसे ज्यादा अधिकार मिले हैं। वह विधायिका और कार्यपालिका के किसी भी कार्य की समीक्षा कर सकती है। किसी भी संवैधानिक संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर सकती है। नागरिकों के मौलिक अधिकारों की और संविधान की रक्षा करने का दायित्व संविधान ने न्यायपालिका को दिया है। न्यायपालिका में जो प्रकरण विवाद के रूप में लंबित हैं, 70 फ़ीसदी मामलों में शासन-प्रशासन और सरकार प्रतिवादी है। सरकार कानून बनाती है, लेकिन उन कानूनो का मनमाने ढंग से उपयोग करती है। सत्ता और प्रशासन में बैठे हुए लोग नियम और कानून की गलत व्याख्या करते हुए आम नागरिकों पर कार्यवाही कर देते हैं। जब न्याय के लिए वह न्यायालय में जाता है तो न्यायालयों में सुनवाई कई वर्षों तक नहीं हो पाती है। प्रशासन और शासन अपना जवाब ही प्रस्तुत नहीं करता है। तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख का यह खेल पिछले कुछ वर्षों में ज्यादा हो गया है। आरोप लगते हैं कि ट्रायल कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक के न्यायाधीश सरकार के प्रति सहानुभूति रखते हुए मामलों की सुनवाई करते हुए नजर आते हैं। अब तो सरकार के खिलाफ निर्णय देने की स्थिति में न्यायपालिका के जज दूर-दूर तक हिम्मत नहीं कर पाते हैं। ऐसी न्यायपालिका को लेकर यदि आम आदमी इस न्याय प्रक्रिया से भागकर सत्ता में बैठे लोगों और गुंडे बदमाशों के पास जाकर न्याय पाने की कोशिश कर रहा है। यदि वहां से भी न्याय नहीं मिल पाता है तो ऐसी स्थिति में अब खुद न्याय पाने के लिए अपराध की दुनिया में प्रवेश करने लगा है। अपराध नहीं कर पता है तो आत्महत्या तो कर ही लेता है। न्यायपालिका के 75 साल का इतिहास यदि मुख्य न्यायाधिपति देखेंगे और अपने पूर्वजों द्वारा किए गए निर्णय को देखेंगे तो पूर्व में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों द्वारा जिस तरह स्वयं संज्ञान में लेकर आम जनता को राहत प्रदान की जाती थी। संवेदनशील मामलों में न्यायपालिका के इतिहास में जो कार्य किए गए हैं, उसी के कारण जजों को भगवान के रूप में जनता देखती थी। जनता के मन में विश्वास था सरकार प्रशासन पुलिस और सक्षम लोग यदि उसके साथ अन्याय करेंगे तो उसे न्यायालय से न्याय मिलेगा। यदि पिछले 5 साल के न्यायपालिका के कार्यकाल को मुख्य न्यायाधिपति देखें तो उन्हें खुद यह महसूस होगा कि वर्तमान की जो न्यायपालिका है वह सत्ता से डरी हुई है। न्यायपालिका का एक दौर वह भी था जिसमें न्यायपालिका ने तत्कालीन प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति को गवाही देने के लिए कोर्ट में बुला लिया। सुनवाई के पश्चात तत्कालीन प्रधानमंत्री का चुनाव भी अवैध घोषित कर दिया। न्यायालय में अब यदि वादी और प्रतिवादी में से कोई पक्षकार शासन और प्रशासन का है तो ऐसे मामलों में न्यायपालिका से कोई निर्णय नहीं आता है।

गैर-सरकारी संगठन में खत्म होते उद्देश्य

संजय गोस्वामी

गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) को आमतौर पर गैर-लाभकारी संगठन भी कहा जाता है। ये संगठन आम तौर पर सामाजिक कल्याण, सामाजिक विकास और अन्य धर्मार्थ उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए बनाए जाते हैं।भारत में, इस तरह के संगठन को ट्रस्ट, सोसाइटी या सेक्शन 8 कंपनी के रूप में स्थापित किया जा सकता है। ध्यान रखें कि ये एक जैसे नहीं हैं। संगठन की स्थापना के माध्यम से आप क्या हासिल करना चाहते हैं, इसके आधार पर उनके अलग-अलग उद्देश्य और उपयोग होते हैं। इस ट्रस्ट में वैज्ञानिक संस्थान भी स्थापित किया जा सकता है। हिन्दी विज्ञान साहित्य परिषद मुम्बई का गठन अनुसन्धान केन्द्र में कार्यरत कुछ वैज्ञानिकों एवं इंजीनियरों के सामूहिक प्रयास से पूर्व सन् 1968 में हुआ था। इसका गठन राष्ट्रभाषा प्रेम, जनसामान्य तक वैज्ञानिक साहित्य को पहुंचाने, वैज्ञानिक साहित्य की रचना तथा प्रसार के काम को सुसंगठित रूप में चलाने के उद्देश्य से हुआ था।'परिषद की गतिविधियों में सबसे मुख्य एवं स्थाई गतिविधि त्रैमासिक पत्रिका वैज्ञानिक का अनवरत प्रकाशन रही है। जो आज भी चल रही है हिंदी विज्ञान साहित्य परिषद, मुंबई का उद्देश्य विज्ञान को हिंदी में पहुंचाने का कार्य हिंदी में रूचि रखने वाले सदस्यों के आम सभा में कार्यकारिणी की चुनाव में चयनित लोगों द्वारा संपन्न किया जाता था पहले आम सहमति से परिषद की कार्यकारिणी समिति का गठन किया जाता था बाद में इसमें लोगों की रूचि बढ़ि और एक पद के लिए उससे ज्यादा उम्मीदवार हो गए और चुनाव का पहला क्रम 2016 में 2016-18 हेतु आम सभा में नियमानुसार चुनाव हुआ और सभी ने कमिटी के गठन में सहयोग दिया और परिषद अपने रफ़्तार से चल पड़ी और पुनः इसी क्रम में 2018 में 2018-20 हेतु चुनाव आमसभा में हुई और पुनः कुछ नए पुराने लोगों ने मिलकर काम किया जब 2020 में कोविड का प्रकोप आया तो चुनाव को टाला गया क्योंकि प्रशासन की अनुमति ही नहीं मिली थी लेकिन चुनाव का जोड़ इस तरह पकड़ा की कोरोना की लहर 2021 में थमी की सेमिनार को रद्द करना पड़ा और इसी क्रम में सेमिनार के खर्चा को लेकर आपसी विवाद इस तरह बढ़ा कि आनन फानन में 28मार्च 21 को सचिव ने एक ऑनलाइन आम सभा बुलाकर चंद

लोगों द्वारा मुद्दे को दबाकर एक चुनाव अधिकारी को नियुक्त किया गया लेकिन वो सर्वमान्य नहीं था क्योंकि ऑनलाइन में लोगों की संख्या बहुत ही कम थी जब इलेक्शन को 14 अगस्त 21 को जबरदस्ती कराया गया तो मुझे बहुत गुस्सा आया क्योंकि जो अध्यक्ष का पद होता है वो एक गरिमामयी पद होता है और उस पद के लिए दो लोगों ने नामांकन किया जिसमें एक उम्मीदवार अस्पताल में भर्ती था और बाई पास सर्जरी होने वाला था इसका लाभ दूसरे उमीदवार ने उठाया और सारे नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुए मनमानी और गलत तरीके से चुनाव में जीत की घोषणा चुनाव अधिकारी ने की, इतना भी समझते नहीं है कि मानवता को मार कर इलेक्शन जीत कर भी दूसरों का दिल को नहीं जीत पाएं ऐसे पद भी मिल जाए तो मैं इंसान नहीं हैवान हो जाऊंगा अतः जो समझदार थे वो एक एक कर किनारा कर लिया और अब भी लगता है कि मैं अध्यक्ष हूँ ऐ भूल है इंसान इंसान के काम ना आ सके तो जीने का मतलब ही क्या? यदि आप सही में ईमानदार और सच्चे हैं, तो इसका अभिमान न करें। कभी-कभी पद के लालच में लोग अव्यावहारिक होकर कठोर बन जाते हैं और इन्सानियत की धुन में अपनी दया, करुणा एवं सहयोग की भावना को खो बैठते हैं तथा दूसरों पर संदेह करने, दूसरों से घृणा करने लगते हैं। एनजीओ आज ठीक नहीं है इन्सानियत होने के अतिरिक्त उचित सहायता-सहयोग देने के लिए सदैव प्रस्तुत रहने की भावना होना मनुष्य को स्वस्थ और संतुलित रखता है, मानव को मानव बनाये रखता है। कभी-कभी लालच की धुन मनुष्य को वहमी बना देती है। व्यावहारिता और यथार्थ का धरातल कभी न छोड़ें। गैर-सरकारी संगठन का उद्देश्य मानव हित होता है तथा सीमा से परे जाने पर सिद्धान्त अमानवीय हो जाते हैं।यदि आप ईमानदार है, तो दूसरों से प्रशंसा की आशा कदापि न करें, क्योंकि इस संसार में बेईमान अथवा ईर्ष्यालु लोग प्रायः बिना संकोच ईमानदार आदमी पर झूठे आरोप लगाया करते हैं। दूसरों के मुख पर कालिमा पोतने से पूर्व ईर्ष्यालु के हाथ काले हो जाते हैं। दूसरों को फँसाने के लिए बिछाया हुआ जाल अवश्य एक दिन जाल बिछानेवाले को ही फँसा देता है। दूसरों के लिए गड्ढ़ा खोदनेवाला स्वयं ही उसमें गिर पड़ता है। यह प्रकृति का नियम है। यदि हमारा अन्तःकरण स्वच्छ है, आत्मा प्रबल है और ईश्वर के दैवी न्याय एंव सामर्थ्य पर भरोसा सच्चा है, तो अकारण द्वेषी हमारी हानि नहीं कर सकता है, अपना ही सब कुछ खो बैठेगा। लोभ यानी लालच ऐसी बुराई है, जिसकी वजह से हमारे दूसरे सभी गुणों का महत्व खत्म हो जाता है। लालच की वजह से व्यक्ति कभी भी संतुष्ट नहीं हो पाता है और धनवान होते हुए भी गरीब बना रहता है। किसी व्यक्ति के प्रति मन में घृणा और क्रोध नहीं बसा लेना चाहिए तथा घृणा और क्रोध से प्रेरित होने के बजाय न्याय एवं सत्य से प्रेरणा लेनी चाहिए। हम समाज-हित में, न्याय के समर्थन में, संघर्ष करें तथा दुष्ट को दण्ड दें, किंतु घृणा अथवा बदले की भावना से किसी को नष्ट करने के लिए उतारु न हो जाएँ।संघर्ष में अपराध-वृत्तिवाले (क्रिमिनल) दुष्टों का सहारा लेकर विजय पाने पर भी आपको एक दिन पराजय का मुँह देखना पड़ेगा; क्योंकि वे अंत में आपको भी शिकार बनाये बिना न रह सकेंगे। ईश्वर जिसे आयु और आजीविका प्रदान करता है, हमें मूर्खतावश उसके साथ एक क्षणभर में ही उकताहट हो जाती है। जिसे प्रभु जीवन का अवसर दे रहा है, हमें उससे घृणा करने का अधिकार नहीं है। विरोध एवं संघर्ष करते हुए भी हम इंसानिय न खो बैठे तथा संघर्ष एवं विरोध का दायरा सीमित ही रखें।धीरे-धीरे जब मनुष्य विचार-क्षेत्र में ऊँचे स्तर पर आ जाता है, तब वह जीवन में अधिक उदात्त होकर तथा अधिक ऊँची वस्तुओं में रुचि लेकर तुच्छ प्रकार के संघर्ष करना छोड़ देता है तथा अधिक उपयोगी दिशा में संघर्ष करना प्रारंभ कर देता है। यह पलायान नहीं, बुद्धिमता होती है, जीवन में स्वस्थ मोड़ होता है। इसे पलायन कहना भूल होती है। पलायन के मूल में भय होता है तथा मोड़ का कारण होता है-मन का ऊँचे धरातल पर पहुँचना। सन्त-वृत्ति अपनाने पर तथा आध्यात्मिक रुचि ग्रहण कर लेने पर, मनुष्य धन अथवा पद आदि के लिए लौकिक संघर्ष से अधिक-से-अधिक संभव सीमा तक दूर हटकर स्वाध्याय, ज्ञानार्जन, ध्यान के अभ्यास, प्रार्थना, परोपकार, सेवाकार्य आदि में जुट सकता है। यह रुचि परिष्कार कहलाता है। अरविंद घोष सहसा राजनीति से हटकर अध्यात्म में लग गये थे। अपनी रुचियों को खोजकर उन्हें उचित दिशा देने से विशेष सुख मिलता है। यदि आपमें कलाकार, चित्रकार, वैज्ञानिक, विचारक, कवि, सामाजिक कार्यकर्ता छिपा पड़ा हो, तो उसे जगायें। यश की इच्छा छोड़कर अपने व्यक्तित्व की गहरी माँगों को तन्मयता से पूरा करके उसका विकास करना मानो ईश्वर की योजना को पूरा करना है तथा प्रगाढ़ सुख की ओर बढ़ना है।ईमानदारी का फल सदा मीठा ही होता है। प्रभु आपको किसी अन्य रूप में(स्वास्थ्य, यश, पुत्रादि की उन्नति) पुरस्कार देगा। वास्तव में सुख मन की एक आन्तरिक अवस्था है, जो बाह्य पदार्थों पर निर्भर नहीं है तथा चरित्रवान् व्यक्ति को वह सहज ही प्राप्त हो जाती है। आन्तरिक सुख ही चरित्र का सर्वोत्कृष्ट पुरस्कार होता है। जिनके पास धन और ऐश्वर्य है, किंतु आन्तरिक सुख नहीं है, वे अभागे हैं। भीतर का धन ही सच्चा धन है।

शब्द पहेली - 8210

1	2	■	3	4	5	■	6	7
8		9	■	10		11	■	
■	12		13	■	14		15	■
16	■	17		18	■	19		20
21	22	■	23		24	■	25	
26		27	■	28		29	■	
■	30		31	■	32		33	■
34	■	35		36	■	37		38
39		■	40			■	41	

बाएँ से दाएँ

1.अधिकार-2
3.समुद्र,दरिया-3
6.आनंद,रस-2
8.दबाना,कुचलना-3
10.गुंडा,बदमाश-3
12.पासों से भविष्य जानना-3
14.नाप जोख करना-3
17.जलजला-3
19.असफल-3
21.मगन,रत-2
23.व्यक्ति,जीव-3
25.सम्राट,नरेश-2
26.कार्य करने वाला-3
28.उपनदी,कैनाल-3
30.मां का प्रेम-3
32.पढ़ना,अध्ययन-3
35.पक्षाघात,फालिज-3
37.सेनापति-3
39.दूल्हा,वरदान-2
40.पक्ष,एक ओर-3
41.भीगा हुआ

ऊपर से नीचे

1.सीमा,सरहद-2
2.कटि,मध्यांग-3
4.दुख,कष्ट-2
5.गमन,विदा होना-3
7.शराब का प्याला-2
9.एक नमकीन लवण-3
11.आलेप करना-3
13.बोलने का तरीका-3
15.अयोग्य,बेकार-3
16.तहजीब,तमीज-3
18.रत्न,बहुमूल्य नग-3
20.व्यंग,परिहास-3
22.मुलायम,नाजुक-3
24.कॉफी-3
27.पंकज,नीरज,जलज-3
29.निर्माण-3
31.बल,दम,जोर-3
33.नेत्र,आंख-3
34.नौका-2
36.घात,प्रहार-2
38.जरा,थोड़ा-2

शब्द पहेली -8209 का हल

ब	द	न	■	चा	त	क	■	त
■	र्श	■	क	ल	ह	■	र	वा
ता	न	■	ह	■	खा	लि	स	■
क	■	का	र	खा	ना	■	भ	■
त	री	का	■	विं	■	श	रा	रा
■	मी	■	अ	द	र	क	■	ज
■	से	ह	रा	■	ह	■	आ	न
जा	न	■	ज	ही	न	■	स	■
म	■	म	क	र	■	स	न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7148

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7147 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

केंद्रीय विद्यालय में कैसे बनते हैं टीचर?

अगर आप भी केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनने की सोच रहे हैं और आपको नहीं पता है कि केंद्रीय विद्यालय में टीचर कैसे बनते हैं तो आपको हम यहां पर बता रहे हैं कि कैसे केंद्रीय विद्यालय में टीचर बना जा सकता है।

बहुत से युवाओं का सपना होता है कि वे टीचर बनकर बच्चों को पढ़ाएं। अगर आप भी टीचर बनना चाहते हैं और शिक्षा के क्षेत्र में अपना योगदान देना चाहते हैं तो केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनकर आप अपना यह सपना पूरा कर सकते हैं। केंद्रीय विद्यालय में समय-समय पर टीचर के पद की वैकेंसी निकलती रहती हैं। केंद्रीय विद्यालय की वैकेंसी निकलते ही आपको अप्लाई करना होगा। अप्लाई करने के बाद रिटेन परीक्षा में उत्तीर्ण होकर इंटरव्यू क्लियर करना होगा। इंटरव्यू और मेडिकल के बाद आपको जॉइनिंग लेटर मिलेगा।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

केंद्रीय विद्यालय में टीचर बनने के लिए अप्लाई करने वाले कैंडिडेट को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम से कम 50% मार्क्स के साथ ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही हिंदी और अंग्रेजी दोनों का ज्ञान होना चाहिए। कैंडिडेट की मैक्सिमम उम्र 35 वर्ष होना चाहिए। इसके अलावा कैंडिडेट्स को बैचलर ऑफ़ एजुकेशन कोर्स किया होना चाहिए। साथ ही अभ्यर्थी को सीटेट की परीक्षा भी पास किए होना चाहिए।

क्या बीएड?

यह एक ग्रेजुएशन डिग्री प्रोग्राम है, जो आम तौर पर तीन से चार साल तक चलता है। इसमें छात्रों को स्कूलों में टीचर के रूप में काम करने के लिए ट्रेन किया जाता है। ब्क्ष्श्स्र में एडमिशन के लिए अभ्यर्थियों को ग्रेजुएट डिग्री कम से कम 50 परसेंट मार्क्स और कुछ सब्जेक्ट्स में 55 परसेंट मार्क्स के साथ पास करना ज़रूरी है।

सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट एग्जाम

केवी का टीचर बनने के लिए छात्र का CTET एग्जाम पास करना जरुरी है। CTET एक परीक्षा होती है, जिसे पास करने के बाद आप केंद्र और राज्य स्तर के विद्यालयों में शिक्षक पद के लिए अप्लाई कर सकते हैं। CTET का आयोजन साल में दो बार होता है। इसमें दो पेपर होते हैं। पहला पेपर प्राइमरी एजुकेशन यानी 5वीं तक पढ़ाने के लिए अप्लाई करने वाले कैंडिडेट्स के लिए होता है। दूसरा पेपर सीनियर क्लासेज में पढ़ाने वाले कैंडिडेट्स के लिए होता है।

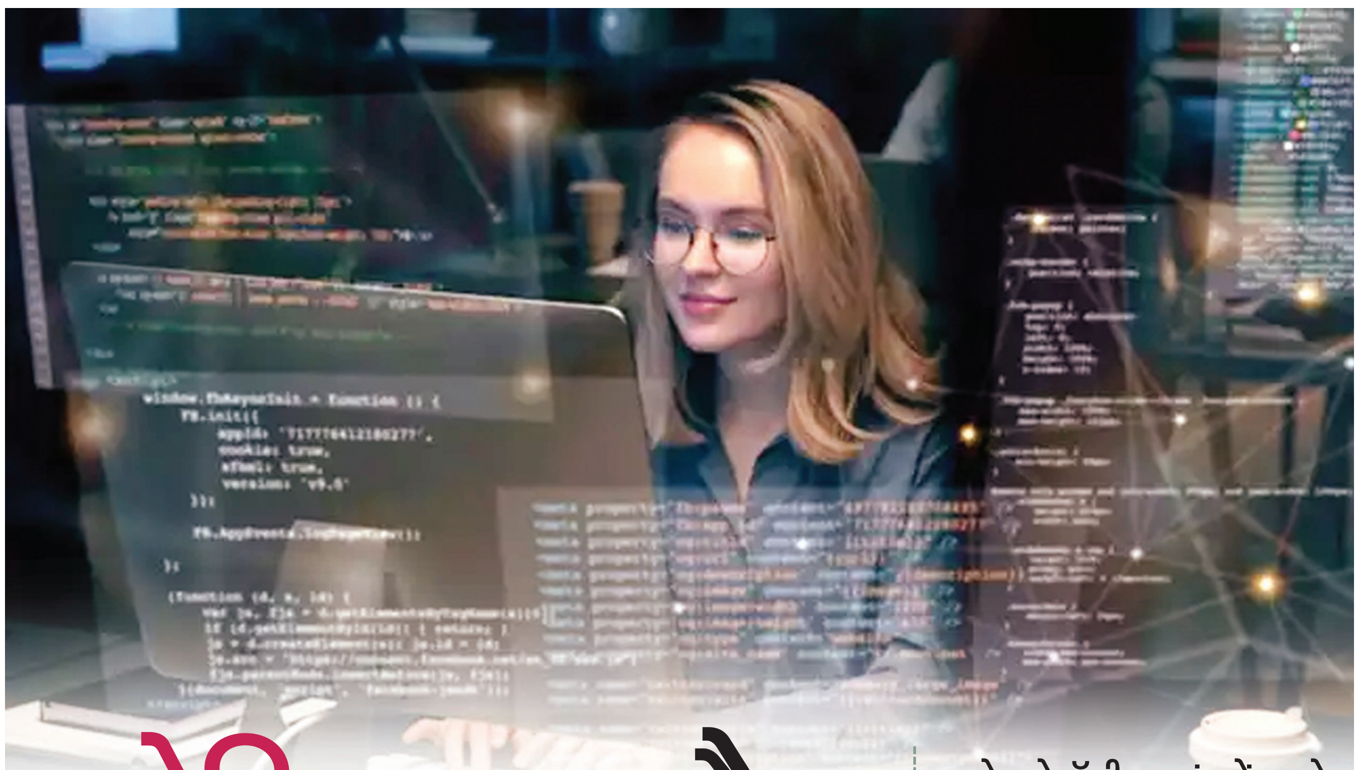

इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में क्या अंतर है?

टेक्नोलॉजी एडवांसमेंट्स के साथ इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों की मांग बढ़ रही है लेकिन बीटेक के लिए ईई या ईसीई कौन बेहतर है और क्या अंतर है?

अगर आप इंजीनियरिंग कोर्स को लेकर कन्फ्यूज हैं, तो हम आपकी उलझन थोड़ी दूर कर देते हैं। ये आर्टिकल इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के बारे में है। जान लें- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में क्या अंतर है? दोनों में कौन सी ब्रांच बेहतर है?

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग क्या है?

यह मुख्य रूप से उन उपकरणों, डिवाइस और सिस्टम स्टडी, डिजाइन एंड एप्लिकेशन से संबंधित है, जो बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और विद्युत चुंबकत्व का उपयोग करते हैं। यह उन्हें इलेक्ट्रिकल उपकरण डिजाइन करने में मदद करता है, जैसे कि इलेक्ट्रिक मोटर, रडार और नेविगेशन सिस्टम, कम्युनिकेशन सिस्टम, बिजली उत्पादन उपकरण, ऑटोमोबाइल और विमान। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों के पास नौकरी के बहुत से विकल्प हैं और उन्हें कई क्षेत्रों में काम मिल सकता है। वे कंट्रोल इंजीनियरिंग, प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग, टेस्ट इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, टेली कम्युनिक्शन इंजीनियरिंग, डिजाइन इंजीनियरिंग, सिस्टम इंजीनियरिंग, एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, रीन्युएबल एनर्जी सेक्टर, ऑटोमेशन, रोबोटिक्स में काम कर सकते हैं। भारत में एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ग्रेजुएट की शुरुआती सैलरी औसत 4.5 लाख रुपये प्रति वर्ष है। यह इस बात पर निर्भर कर सकता है कि वे कहां काम करते हैं, उनके पास कितना अनुभव है, और वे किस उद्योग में हैं। शुरुआती वेतन अक्सर अच्छा होता है और अधिक अनुभव के साथ वे अधिक कमाते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग क्या है?

ये एक विविध इंजीनियरिंग क्षेत्र है जो इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार नेटवर्क को डिजाइन करने, विकसित करने और लागू करने पर केंद्रित है। इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग ग्राहक और परियोजना आवश्यकताओं की पहचान करते हैं, समाधान खोजते हैं, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और सिस्टम डिजाइन करते हैं, फर्मवेयर और एम्बेडेड सॉफ्टवेयर विकसित करते हैं, प्रोटोटाइप का परीक्षण करते हैं, और निर्माण की देखरेख करते हैं। वे अगली पीढ़ी के गैजेट और बुनियादी ढांचे का आविष्कार करने के लिए अत्याधिक उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स, सॉफ्टवेयर और संचार तकनीकों को एकीकृत करने का काम करते हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग एक बहुत ही बहुमुखी क्षेत्र है। ईसीई इंजीनियरों को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार बुनियादी ढांचे को विकसित करने वाले उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में रोजगार मिलता है। कुछ शीर्ष क्षेत्र हैं दूरसंचार, एयरोस्पेस, डिफेंस, मोटर व्हीकल, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली व्यवस्था और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग। भारत में एक इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियर के लिए औसत शुरुआती वेतन 4 लाख प्रति वर्ष है। EE की तरह, वेतन स्थान, अनुभव के वर्षों, कौशल और नियोक्ता के आधार पर अलग-अलग होता है।

EE और ECE में कौन सी इंजीनियरिंग ब्रांच बेहतर है?

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (EE) और इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (ECE) दोनों शाखाएं समान रूप से अच्छी हैं। लेकिन, यह सब व्यक्ति की रुचि के क्षेत्र पर निर्भर करता है। मुझे लगता है कि छात्र को भविष्य के लक्ष्य पर ध्यान देना चाहिए। एक बार जब वह इसके बारे में सुनिश्चित हो जाता है, तो वह अपनी पसंद की स्ट्रीम चुन सकता है।

वॉटर डिप्लोमैट के रूप में बनाएं शानदार

अगर आप लीक से हटकर करियर बनाना चाहते हैं तो आपके लिए यह आर्टिकल जरूरी साबित हो सकता है। क्योंकि हम यहां पर आपको पानी से जुड़ी करियर के बारे में बता रहे हैं। आप भी एक वॉटर डिप्लोमैट के रूप में बढ़िया करियर बना सकते हैं। अगर आप इस फील्ड में करियर बनाते हैं तो आपको बढ़िया सैलरी भी मिलेगी।

पानी की कमी और खराब गुणवत्ता जैसी समस्याएं आज पूरी दुनिया में देखी जा रही हैं। ये समस्याएं एक राज्य या फिर एक देश तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वैश्विक हैं। ऐसे में जल प्रबंधन के मुद्दों को सुलझाने के लिए वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट विशेषज्ञों की ज़रूरत है। दुनिया भर में कई देश अपने जल संसाधनों का प्रबंधन टिकाऊ तरीके से करने की चुनौती का सामना कर रहे हैं। अगर आप भी इस फील्ड में करियर बनाना चाहते हैं तो आपके भविष्य उज्जवल हो सकता है। क्योंकि इस फील्ड में अच्छी नौकरी के साथ अच्छी सैलरी भी मिलती है। ऐसे में आइए हम आपको बताते हैं कि इस फील्ड में करियर बनाकर आप कितनी सैलरी पा सकते हैं। वॉटर डिप्लोमैसी और डेवलपमेंट में वेतन अच्छा होता है। हालांकि, यह कई बातों जैसे - अनुभव, शिक्षा, कार्यक्षेत्र और जिस संस्था में आप काम करते हैं, उस पर निर्भर करता है।

शुरुआती पद

शोध सहायक या जूनियर नीति विश्लेषक जैसे शुरुआती पदों पर सालाना वेतन 40,000 से 60,000 अमेरिकी डॉलर के बीच हो सकता है।

अनुभवी पेशेवर

अनुभवी पेशेवरों के लिए जिनके पास कई सालों का अनुभव और विशेष कौशल है। उन्हें वेतन 60,000 से 1,00,000 अमेरिकी डॉलर या उससे भी ज्यादा मिल सकता है।

वरिष्ठ पद

निदेशक या वरिष्ठ नीति सलाहकार जैसे वरिष्ठ पदों पर सालाना वेतन 1,00,000 से 1,50,000 अमेरिकी डॉलर के बीच होता है। सबसे ज्यादा वेतन अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं, सरकारी एजेंसियों या परामर्श फर्मों में मिलता है। इसके अलावा, जिन लोगों के पास मास्टर्स या पीएच.डी. जैसी उच्च शिक्षा है, उनके उच्च वेतन पाने और कैरियर में तेजी से तरक्की करने की संभावना अधिक होती है।

जल प्रबंधन में प्रमाणन कार्यक्रम

इसी दिशा में काम करते हुए जल प्रबंधन संस्थान भारतीय और विदेशी नागरिकों के लिए प्रमाणित जल लेखाकार /विशेषज्ञ बनने के लिए एक प्रमाणन कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है। इस कार्यक्रम में कई तरह के कोर्सेज पर ट्रेनिंग दिया जाएगा।

रूस की यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई के लिए उपलब्ध हैं ये स्कॉलरशिप्स

भारतीय छात्रों के लिए रूस में पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप के कई अवसर मौजूद हैं इसकी जानकारी हम आपको यहां दे रहे हैं। हर साल रूसी सरकार विदेशी छात्रों के लिए राज्य से आर्थिक सहायता प्राप्त सीट्स ऑफर करती है। 2022 में 15 हजार इस तरह की सीट्स दी गई थीं।

रूस में अधिकतर विश्वविद्यालय सरकारी सहायता प्राप्त स्कॉलरशिप देती हैं और एकसमान आवेदन प्रक्रिया अपनाती हैं। कोई भी विदेशी छात्र रूस में यूनिफॉर्म स्टेट एग्जामिनेशन या एंट्रेंस एग्जाम पास करने के बाद स्कॉलरशिप के लिए उसी तरह आवेदन कर सकते हैं जिस तरह रूसी छात्र करते हैं। हर साल रूसी सरकार विदेशी छात्रों के लिए राज्य से आर्थिक सहायता प्राप्त सीट्स ऑफर करती है। 2022 में 15 हजार इस तरह की सीट्स दी गई थीं।

स्कॉलरशिप अमाउंट

सरकार से प्राप्त होने वाली स्कॉलरशिप में पूरे कोर्स की ट्यूशन फीस, मेंटनेंस अलाउंस और डोरमेटरी अलाउंस शामिल होता है। जो छात्र इन स्कॉलरशिप को प्राप्त करना चाहते हैं वो भारत में ऑथराइस्ड व्यक्ति से संपर्क कर सकते हैं और वहां उपलब्ध स्कॉलरशिप और कोर्स के बारे में जानकारी हासिल कर सकते हैं। पढ़ाई के लिए छात्र एक बार में 6 यूनिवर्सिटिज को चुन सकता है। लेकिन एक फेडरल क्षेत्र में 3 से ज्यादा नहीं चुन सकते जबकि मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग में दो से ज्यादा नहीं चुन सकते हैं। अपनी पसंद के अनुसार अपनी चॉइस भरें और इसके बाद अन्य को भरें और चयन प्रक्रिया में बुलावे का इंतजार करें। देश के आधार पर ऑपरेटर इंटरव्यू, टेस्ट और परीक्षा का शेड्यूल जारी कर सकते हैं इसकी जानकारी उनकी वेबसाइट या आपको ईमेल के जरिए मिल सकती है। जिन छात्रों को डिग्री के स्तर पर रूसी भाषा की जानकारी नहीं है उन्हें प्री पेरेटरी डिपार्टमेंट में एनरोल किया जाता है। उन्हें सामान्य शिक्षा के साथ एक साथ रूसी भाषा की पढ़ाई भी करनी पड़ती है।

- अगर आप कैंडिडेट्स की सूची में शामिल हो गए हैं तो अपने पास अतिरिक्त डॉक्यूमेंट्स तैयार रखें
- एमबीबीएस डॉक्टर का सर्टिफिकेट तैयार करवाना होगा जिसमें बताया गया होगा कि ऐसा कोई मेडिकल कारण नहीं जिसकी वजह से आपको रूसी यूनिवर्सिटिज में न चुना जाए। इसमें एचआईवी टेस्ट भी करवाना होगा।
- डॉक्यूमेंट्स की कॉपी (रूसी भाषा में ट्रांसलेटिड), ऑनलाइन इन्हे सबमिट करें और हार्ड कॉपी ऑपरेटर के पास जमा करें।
- अब यूनिवर्सिटी में अपने कन्फर्मेशन का इंतजार करें।

पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय पुरुष हॉकी टीम

• ब्रिटेन को पैनाल्टी शूटआउट में 4-2 से हराया

पेरिस। भारतीय पुरुष हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने क्वार्टरफाइनल में ब्रिटेन को पैनाल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर अंतिम चार में जगह बनायी। इस मैच में तय समय तक दोनो टीमो के बीच मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा। इसकेबाद विजेता का फैसला पैनाल्टी शूटआउट में हुआ जिससे भारतीय टीम ने 4-2 से बाजी मार ली। इसके साथ ही भारत लगातार दूसरे ओलंपिक में सेमीफाइनल में पहुंच गया है। इस मैच की खास बात यह रही कि भारतीय टीम मैच के ज्यादातर समय 10 खिलाड़ियों के साथ खेली क्योंकि अमित रोहिदास को 17 वें मिनट में फाउल के कारण लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया गया था।

इस मैच में पहले क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर पायी। वहीं दूसरे क्वार्टर के 22वें मिनट में भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पैनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलते हुए भारतीय टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। वहीं दूसरे क्वार्टर के 27वें मिनट में ब्रिटेन के मॉर्टन ली ने गोल कर 1-1 से स्कोर बराबर कर दिया। इसी के साथ दूसरे क्वार्टर तक दोनों टीमें ने काफी प्रयास किया पर मुकाबला 1-1 से बराबरी पर रहा।

भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में अपनी रणनीति बदली वहीं ब्रिटेन ने भी हमले तेज कर दिये पर कोई टीम गोल नहीं कर पायी। इस प्रकार तीसरा क्वार्टर गोलरहित रहा। चौथे क्वार्टर में भारत ने रक्षात्मक अंदाज अपनाते हुए ब्रिटेन को कोई गोल नहीं करने दिया। इस प्रकार तय समय तक स्कोर 1-1 पर रहा जिसके करण मुकाबला पैनाल्टी शूटआउट में पहुंच गया।

पैनाल्टी शूटआउट में इंग्लैंड के जेम्स आल्ड्रिन ने पहला गोल किया। वहीं भारत की ओर से हरमनप्रीत ने गोल कर स्कोर 1-1 से बराबरी पर ला दिया। वहीं ब्रिटेन की ओर से दूसरा शूटआउट वालेस ने लिया और गोल कर टीम को 2-1 से बढ़त दिया दी।

भारत के सुखजीत सिंह ने एक बार फिर गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया है। इस प्रकार स्कोर 2-2 हो गया।

ब्रिटेन के लिए तीसरे प्रयास में क्रोनोन आए और गोल करने में विफल रहे। वहीं भारत की ओर से ललित ने तीसरे प्रयास में गोल कर भारत की बढ़त को 3-2 तक बढ़ा दिया। ब्रिटेन चौथा प्रयास भी भारतीय गोलकीपर श्रीजेश को मात नहीं दे पाया। इसके बाद राजकुमार ने भारत के लिए चौथा गोल कर टीम को 4-2 से जीत दिला।

विजेंदर ने पेरिस ओलंपिक में निशांत के साथ चीटिंग के आरोप लगाये

• प्रशंसक भी जजों पर भड़के

पेरिस। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज विजेंदर सिंह ने कहा है कि पेरिस ओलंपिक में भारतीय मुक्केबाज निशांत देव के साथ चीटिंग हुई है। निशांत को यहां क्वार्टर फाइनल में हार को सामना करना पड़ा था। इस भारतीय मुक्केबाज को 71 किग्रा भार वर्ग में मेक्सिको के मार्को वर्डे अल्वारेज ने करीबी मुकाबले में हरा दिया था।

इस मुकाबले में निशांत ने पहले राउंड में जीत हासिल की। दूसरे राउंड में भी वह हावी दिखे। उन्होंने विरोधी मुक्केबाज पर कई जोरदार प्रहार किये पर इसके बाद भी जजों ने अल्वारेज को विजेता घोषित कर दिया। 3-1 से आगे हो गए।

अल्वारेज ने अंतिम राउंड में आक्रामक शुरुआत करते हुए जमकर प्रहार किये पर जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, वह धीमे होते गये। वहीं निशांत ने पंच लगाने के प्रयास किये पर वह धीमे रहे। अल्वारेज ने इसका फायदा उठाया और जीत हासिल की।

निशांत की हार पर लोग भड़क गये और उन्होंने सोशल मीडिया पर जजों पर भेदभाव के आरोप लगाये। विजेंदर सिंह ने कहा कि स्कोरिंग प्रणाली क्या है ये समझ से परे है। मुझे लगता है कि यह करीबी मुकाबला रहा। निशांत ने काफी अच्छा खेला। निशांत पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर होने वाले पांचवें भारतीय मुक्केबाज रहे।

भारत के धुरंधर बल्लेबाज सहवाग बोले- बूढ़ा हो गया हूं अब कौन अफोर्ड करेगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के धुंआधार बल्लेबाज पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि वह अब बूढ़े हो गए हैं। उन्होंने फ्रेंचाइजी मालिकों की ओर इशारा करते हुए कहा कि इनमें से कोई भी उन्हें अफोर्ड नहीं कर सकता। यह बात दिल्ली टी20 प्रीमियर लीग की लॉन्चिंग के मौके सहवाग ने कही। उन्होंने कहा कि टी20 लीग के आने से युवाओं के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला और यहां अच्छा प्रदर्शन कर वे नेशनल टीम में जगह बना सकते हैं। सहवाग ने कहा कि जब वे 18 साल के थे, तब आईपीएल जैसी कोई लीग नहीं खेली जाती थी। वीरेंद्र सहवाग ने कार्यक्रम में कई सवालों के जवाब बेबाकी से दिए। उनसे जब पूछा गया कि क्या वह इस लीग में किसी टीम को कोचिंग देंगे तो उन्होंने कहा कि वह अब बूढ़े हो गए हैं। मैं इस लीग में तो नहीं खेल पाऊंगा। इस लॉन्च टीम का हिस्सा हूं इसलिए यहां हूं। मुझे नहीं लगता कि इनमें से कोई मुझे अफोर्ड कर पाएगा। दिल्ली टी20 प्रीमियर लीग में हिस्सा लेने वाली छह टीमें सेंट्रल दिल्ली किंग्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, पुरानी दिल्ली 6, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स और वेस्ट दिल्ली लायंस हैं। सहवाग से पूछा कि क्या जरूरत से ज्यादा टी20 लीग के आयोजन से युवा लाल गेंद प्रारूप से दूर हो रहे हैं तो उन्होंने कहा कि मेरा बड़ा बेटा 17 साल का है और उसने दिल्ली अंडर 16 के लिए तीन दिवसीय क्रिकेट खेला, लेकिन ऐसे बहुत से लड़के हैं जो उस मौके का इंतजार कर रहे होंगे। जब हम 18 साल के थे तो आईपीएल नहीं था लेकिन, अब एक युवा आईपीएल खेलने के बारे में सोच सकता है, और डीपीएल आपको वह मौका प्रदान करेगा। बता दें ऋषभ पंत इस लीग में अगर अपनी उपलब्धता के आधार पर कुछ मैच खेलने में कामयाब रहे तो सबसे बड़ा आकर्षण होंगे। इसमें शामिल अन्य बड़े नामों में इशांत शर्मा, हर्षित राणा, नवदीप सैनी और आयुष बडोनी है। लीग के लिए खिलाड़ियों को चार श्रेणियों में बांटा गया है जिसमें मार्की ए-ग्रुप में हर खिलाड़ी का वेतन 10 लाख रुपए होगा। विजेता टीम को एक करोड़ रुपए का पुरस्कार दिया जाएगा।

हसरंगा भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर हुए

कोलंबो। श्रीलंका के स्पिन ऑलराउंडर वानिंदु हसरंगा चोटिल होने कारण भारत के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज से बाहर हो गये हैं। हसरंगा के बाहर होने से मेजबान टीम को करारा झटका लगा है क्योंकि उसके दो प्रमुख गेंदबाज पहले से ही बाहर चल रहे हैं। स्पिनर हसरंगा से पहले चार अन्य गेंदबाज भी सीरीज से बाहर हो गये थे।

हसरंगा पहले एकदिवसीय में अपने अंतिम ओवर के दौरान परेशानी का अनुभव कर रहे थे। हसरंगा की जगह जेफरी वांडरसे को टीम में जगह मिली हालांकि हसरंगा की कमी पूरी करना उनके लिए संभव नहीं होगा। मथीशा पथिराना, दिलशान मदुशंका, दुष्मंथा चमीरा और नुवान तुषारा चोटिल होने के कारण पहले ही सीरीज से बाहर हो गये थे। क्रिकेट श्रीलंका के अनुसार हसरंगा हैमस्ट्रिंग में चोट के कारण एक एकदिवसी सीरीज के बचे हुए मैचों से बाहर रहेंगे।

पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में हारी मुक्केबाज लवलीना

पेरिस। भारतीय महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन पेरिस ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। इस प्रकार लवलीना का लगातार दूसरे ओलंपिक में पदक जीतने का सपना टूट गया। 75 किलो भारवर्ग में लवलीना को चीन की ली कियान ने हराया। लगातार तीनों राउंड में लवलीना पर मिली जीत के आधार पर जज ने चीनी खिलाड़ी को 4-1 से विजयी घोषित कर दिया।

पहले दौर में लवलीना के खिलाफ चीनी खिलाड़ी ने 3-2 से बढ़त बनाई जबकि दूसरे राउंड के मुकाबले में भी चीनी मुक्केबाज हावी रहीं। जज ने इस राउंड में फैसला 3-2 से चीनी खिलाड़ी के पक्ष में दिया। वहीं तीसरे राउंड के बाद 4-1 से लवलीना की हार से उनका बाहर होना पक्का हो गया। इसी के साथ ही उनको पदक मिलने की उम्मीद भी समाप्त हो गयी। लवलीना ने इससे पहले हुए टोक्यो ओलंपिक में 69 किलो वर्ग में कांस्य पदक जीता था। वहीं कियान ने टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता था।

व्यापार

जेपी ग्रुप को खरीदकर रियल एस्टेट मार्केट में आने को तैयार गौतम अडानी

मुंबई। उद्योगपति गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी ग्रुप दिल्ली-एनसीआर के रियल एस्टेट मार्केट में आने को तैयार है। अडानी समूह की नजर दिवालिया हो चुके जेपी ग्रुप की संपत्तियों पर है। अडानी जेपी ग्रुप के रियल एस्टेट और सीमेंट कारोबार को खरीद सकता है। इन संपत्तियों के लिए अडानी ग्रुप करीब 1 अरब डॉलर (करीब 8,300 करोड़ रुपये) तक की बोली लगा सकता है।

गौरतलब है कि जेपी ग्रुप पर देश के कई बैंकों का 50 हजार करोड़ रुपये बकाया है। जेपी ग्रुप के रियल्टी एसेट्स, जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के तहत आते हैं, जो ग्रुप की सबसे मुख्य कंपनी है। जेपी समूह की रियल एस्टेट होल्डिंग्स में ग्रेटर नोएडा में 452 एकड़ की जेपी ग्रीन्स टाउनशिप जैसी हाई-प्रोफाइल परियोजनाएं शामिल हैं, जिसमें लग्जरी विला, अपार्टमेंट और एक गोल्फकोर्स शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी के पास जेपी ग्रीन्स विश टाउन नाम से नोएडा में 1,063 एकड़ में फैली एक टाउनशिप परियोजना और जेपी ग्रीन्स स्पोर्ट्स सिटी भी शामिल है जिसमें यमुना एक्सप्रेसवे के साथ बना मोटर रेसिंग ट्रैक भी आता है।

अडानी ग्रुप का रियल एस्टेट कारोबार अभी मुंबई के आसपास ही फैला हुआ है। इसकी वैल्यू करीब 6,000 करोड़ रुपये है। कंपनी के पास धारावी स्लम के रिडेवलपमेंट का मेगा प्रोजेक्ट है। इसके अलावा बांद्रा में भी समूह के पास जमीन का एक बड़ा टुकड़ा है।

अडानी ग्रुप यदि जेपी समूह के रियल एस्टेट कारोबार को खरीदता है, तब अडानी समूह का प्रवेश देश के सबसे बड़े प्रॉपर्टी बाजार में होगा। जेपी ग्रुप के रियल्टी एसेट्स दिल्ली-एनसीआर में फैले हुए हैं, इसमें कई प्रीमियम अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स, विला और गोल्फकोर्स आदि शामिल हैं। जेपी की रियल एस्टेट प्रॉपर्टीज के अलावा अडानी ग्रुप इसकी सीमेंट यूनिट के लिए भी बोली लगाने की तैयारी में है।

कच्चे तेल के भाव गिरे, पेट्रोल-डीजल की कीमतें नहीं बदलीं

नई दिल्ली। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों ने रविवार को पेट्रोल-डीजल के नए भाव में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बदलाव क दौर लगातार जारी है। जारी भाव के अनुसार कच्चे तेल का दाम 77 डॉलर प्रति बैरल से भी नीचे आ गया है। वैश्विक बाजार में रविवार को ब्रेंट क्रूड 76.81 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड 73.52 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। तेल कंपनियों के मुताबिक अलग-अलग महानगरों और शहरों में पेट्रोल-डीजल की ताजा कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर और पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर है।

रिजर्व बैंक के ब्याज दर पर फैसले, वैश्विक बाजारों के रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव तथा रुपये के रुख पर भी रहेगी बाजार की नजर

नई दिल्ली। इस सप्ताह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के ब्याज दर पर लिए गए फैसले, वृहद आर्थिक आंकड़ों और वैश्विक बाजारों के रुख से शेयर बाजारों की दिशा तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि बाजार भागीदारों की नजरें वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों के उतार-चढ़ाव तथा डॉलर के मुकाबले रुपये के रुख पर भी रहेगी। बाजार के विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी निवेशकों की गतिविधियां और कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजे बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सेवा क्षेत्र के एचएसबीसी पीएमआई आंकड़ों की घोषणा सोमवार को होगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह सभी की नजरें वैश्विक बाजारों पर रहेगी। लंबे समय की स्थिरता के बाद अब बाजार में कमजोरी का कुछ संकेत दिखने लगा है। इससे भारतीय बाजार की मजबूती की परख होगी, जो तरलता की बेहतर स्थिति की वजह से अभी तक जुझारू बना हुआ है। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर आठ अगस्त को आने वाली रिजर्व बैंक की मौद्रिक समीक्षा बैठक महत्वपूर्ण रहेगी। पहली तिमाही के नतीजों के आखिरी दौर से बाजार में कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। इसके अलावा संस्थागत प्रवाह भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल, बीईएमएल, ओएनजीसी, एनएचपीसी, भारतीय जीवन बीमा निगम और एमआरएफ जैसी बड़ी कंपनियां अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी। एक अन्य बाजार विश्लेषक कहते हैं कि आगे चलकर ऊंचे मूल्यांकन की वजह से बाजार में कुछ कमजोरी आ सकती है। इस सप्ताह आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक से ब्याज दरों के परिदृश्य पर कुछ संकेत मिलेगा। फिलहाल केंद्रीय बैंक ब्याज दरों पर यथास्थिति बरकरार रख सकता है।

नेटवर्क नहीं आया तो अब कंपनी होगी जिम्मेदार, मिलेगा मुआवजा

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने नए नियमों के तहत प्रत्येक गुणवत्ता मानक को पूरा करने में विफल रहने पर दंडात्मक राशि को 50,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दिया है। नियामक ने संशोधित नियमों पहुंच (वायरलाइन और वायरलेस) और ब्रॉडबैंड (वायरलाइन और वायरलेस) सेवा गुणवत्ता मानक विनियम, 2024 के तहत नियम उल्लंघन के विभिन्न पैमानों के लिए एक लाख रुपये, दो लाख रुपये, पांच लाख रुपये और 10 लाख रुपये की श्रेणीबद्ध जुर्माना प्रणाली शुरू की है। नए मानदंड तीन अलग-अलग विनियमों बेसिक तथा सेल्युलर मोबाइल सेवाओं, ब्रॉडबैंड सेवाओं, और ब्रॉडबैंड वायरलेस सेवाओं के लिए सेवा की गुणवत्ता का स्थान लेते हैं। नए नियमों के मुताबिक, किसी जिले में नेटवर्क बाधित होने की स्थिति में दूरसंचार परिचालकों को पोस्टपेड ग्राहकों के लिए किराए में छूट देनी होगी जबकि प्रीपेड ग्राहकों के लिए कनेक्शन की वैधता बढ़ानी होगी। ट्राई ने कहा कि यदि कोई ऐसी नेटवर्क गतिरोध 24 घंटे से अधिक समय तक जारी रहता है, तो सेवा प्रदाता अगले बिल में उसे जिले के पंजीकृत ग्राहकों को छूट देगा। नियामक किराये में छूट या वैधता के विस्तार की गणना के लिए कैलेंडर दिवस में 12 घंटे से अधिक की नेटवर्क बाधा अवधि को एक पूर्ण दिन के रूप में गिनेगा। हालांकि प्राकृतिक आपदा के कारण दूरसंचार सेवाएं बाधित होने की स्थिति में यह राहत नहीं मिलेगी।

विक्की कौशल की फिल्म बैड न्यूज बनी 100 करोड़

निर्माताओं ने जाहिर की खुशी

विक्की कौशल और तृप्ति डिमरी की फिल्म बैड न्यूज को शुरुआत से दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है।कॉमेडी के साथ रोमांस के तड़के से भरपूर इस फिल्म में एमी विर्क भी मुख्य भूमिका में हैं।जहां घरेलू बॉक्स ऑफिस पर बैड न्यूज की कमाई 60 करोड़ रुपये की ओर है तो वहीं दुनियाभर में इस फिल्म ने 100 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया है।निर्माताओं ने एक पोस्टर साझा कर खुशी जाहिर की है। धर्मा प्रोडक्शंस ने इस खबर की जानकारी देते हुए लिखा, आपका प्यार लाखों में एक नहीं, अरबों में एक है बहुत-बहुत धन्यवाद।बैड न्यूज का निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है। करण जौहर इस फिल्म के निर्माता हैं।नेहा धूपिया, शीबा चड्ढा, नेहा शर्मा और अनन्या पांडे भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।बता दें कि बैड न्यूज की एक टिकट पर दूसरी मुफ्त मिल रही है। टिकट बुक करने के लिए आपको बैडन्यूज कोड का इस्तेमाल करना होगा। 'बैड न्यूज अपने अलग कॉन्सेप्ट और हिट गानों के साथ ही विक्की-तृप्ति की रोमांटिक केमिस्ट्री की वजह से दर्शको को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही है. फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स से पॉजिटिव रिव्यू मिला है जिसके चलते इसने अच्छा कलेक्शन भी किया है. हालांकि अब फिल्म के लिए कमाई करना मुश्किल हो सकता है. दरअसल शुक्रवार, 2 अग्सत को सिनेमाघरों में अजय देवगन-तबू की रोमांटिक-थ्रिलर औरों में कहां दम था और जाह्नवी कपूर की सस्पेंस थ्रिलर उलझ रिलीज हो रही है. दोनों ही फिल्मों का काफी बज है. जिसे देखते हुए लग रहा है कि 'बैड न्यूज के लिए अब बॉक्स ऑफिस पर टिके रहना मुश्किल हो सकता है.

श्रद्धा कूपर की स्त्री 2 का दूसरा गाना आई नहीं जारी

पवन सिंह की आवाज में लगा भोजपुरिया तड़का

भोजपुरी गानों का खुमार बॉलीवुड में भी कम नहीं है। कई बॉलीवुड सेलेब्स को भोजपुरी गानों की धुन पर नाचते हुए देखा गया है। अब मच अवेटेड फिल्म स्त्री 2 में भोजपुरी गाने का तड़का लगा है। अमर कौशिक निर्देशित स्त्री 2 में सिंगर पवन सिंह ने गाना गाया है, जो अब रिलीज हो गया है। 6 साल बाद स्त्री का सीक्वल बड़े पर्दे पर आग लगाने वाला है। फिल्म में श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की जोड़ी फिर से साथ में नजर आएगी। कुछ समय पहले ही स्त्री 2 का ट्रेलर जारी हुआ था। फिर फिल्म का आइटम नंबर आज की रात आउट हुआ था। तमन्ना भाटिया के कातिलाना डांस के बाद अब भोजपुरी गाने ने धमाल मचा दिया है। दिनेश विजन निर्मित फिल्म स्त्री 2 का दूसरा गाना आई नहीं रिलीज हो गया है। गाना आउट होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव ने खेतों में तू आई नहीं गाने की एक-एक बीट पर अपने जलवे दिखाये हैं। गाने में पंकज त्रिपाठी के साथ अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना भी हैं। इस मजेदार गाने में कॉमेडी भी है और हॉरर भी। पंकज त्रिपाठी ने जगह-जगह कॉमेडी का तड़का लगाया है और आखिर में स्त्री का डरावना पल दिखा। एक दिन के अंदर स्त्री 2 के इस गाने को मिलियन व्यूज मिल गये हैं। खबर लिखे जाने तक स्त्री 2 के गाने आई नहीं को यूट्यूब पर 5.3 मिलियन लोगों ने सुन लिया है। गाने को भोजपुरी सिंह पवन सिंह ने सिमरन चौधरी, दिव्या कुमार के साथ मिलकर गाया है। म्यूजिक कंपोजर सचिन और जिगर हैं। गाने की लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्या ने लिखी हैं। इस बार चंदेरी में स्त्री नहीं बल्कि सरकटे का आतंक होगा। ट्रेलर में दिखाया गया था कि चंदेरी अब सिरकटे के आतंक से खुद को बचाएगी। फिल्म में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना लीड रोल में हैं। यह हॉरर-कॉमेडी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

व्हाइट ऑफ शोल्डर गाउन में तृप्ति डिमरी ने शेयर किया हॉट लुक

फोटोज ने इंटरनेट पर मचाया तहलका

इन दिनों तृप्ति डिमरी अपनी फिल्म बैड न्यूज को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। ये फिल्म हाल ही में रिलीज हुई है और इस फिल्म में विक्की कौशल के साथ तृप्ति की केमिस्ट्री को लोग काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। अब एक बार फिर से अभिनेत्री चर्चाओं में आ गई हैं। हाल ही में तृप्ति डिमरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिसमें वो काफी ज्यादा स्टनिंग नजर आ रही हैं। भाभी 2 के नाम से लोगों के बीच सुर्खियों में बटौरने वाली नेशनल क्रश तृप्ति डिमरी आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों के बीच अपनी खास पहचान बनाई है। इन दिनों एक्ट्रेस अपनी फिल्म बैड न्यूज को लेकर काफी चर्चाओं में हैं। इसी बीच हाल ही में तृप्ति डिमरी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। तृप्ति डिमरी जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल लहोने लगती हैं। फैंस भी उनके हर एक लुक को देखकर तारीफ करते नहीं थकते हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने व्हाइट कलर का फुल स्लीव्स बॉडीकॉन गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा ग्लैमरस नजर आ रही हैं। गले में नेकलेस, ओपन हेयर को स्टाइल देकर और लाइट मेकअप कर के अभिनेत्री ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करती हैं तो अक्सर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ जाता है। साथ ही फैंस भी उनके हर एक लुक को देखकर लाइक्स और कॉमेंट्स करने से नहीं रोक पाते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए सो ब्यूटिफुल। वहीं दूसरे यूजर ने कॉमेंट करते हुए सो एलिगेंट लिखा है। बता दें कि तृप्ति डिमरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

मैं गर्व से खुद को पहाड़न कहती हूं: रुबीना दिलैक

अभिनेत्री रुबीना दिलैक ने कहा कि वह गर्व से खुद को पहाड़न कहती हैं और उन्हें अपनी परंपराओं पर नाज है। शिमला की रहने वाली रुबीना ने इंस्टाग्राम पर अपने गृहनगर में हुई एक शादी की तस्वीरें शेयर कर पहाड़ी परंपरा से जुड़ाव की कहानी साझा की। तस्वीरों में उन्हें अपने परिवार के साथ पारंपरिक हिमाचली डांस करते हुए देखा जा सकता है। अपनी जड़ों पर गर्व करते हुए रुबीना ने लिखा, मेरा हमेशा अपनी परंपरा और संस्कृति से जुड़ाव रहा है, और मैं गर्व से खुद को पहाड़न कहती हूं। अभिनेत्री ने पारिवारिक समारोह से कुछ क्लोज-अप तस्वीरें भी शेयर कीं। इसके लिए रुबीना ने कैप्शन में लिखा, जुलाई में शादी। रुबीना ने अभिनेता अभिनव शुक्ला से शादी की है। 34 वर्षीय अभिनेत्री दो बच्चों की मां हैं। उन्होंने ब्यूटी कॉन्टेस्ट से ग्लैमर की दुनिया में अपनी यात्रा शुरू की। वह दो स्थानीय ब्यूटी कॉन्टेस्ट भी जीत चुकीं हैं। उन्होंने 2006 में मिस शिमला का खिताब अपने नाम किया था। रुबीना ने टीवी में छोटी बहू से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जो उनके लिए एक सफल शो साबित हुआ। इसके बाद वह सास बिना ससुराल, पुनर्विवाह - एक नई उम्मीद, देवों के देव...महादेव और जीनी और जूजू जैसे शो में काम करती हुईं नजर आईं। छोटी बहू के बाद उनका दूसरा सबसे हिट शो शक्ति अस्तित्व के एहसास की रहा। इसमें उन्होंने विवियन डीसेना के साथ एक ट्रांस महिला का किरदार निभाया था। अभिनेत्री ने बिग बॉस के 14वें सीजन में भाग लिया जहां वह विजेता बनकर उभरीं। रुबीना ने फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी के 12वें सीजन और झलक दिखला जा 10 में भी हिस्सा लिया। 2022 में उन्होंने अर्ध से अपनी फिल्मी यात्रा शुरू की, जिसमें राजपाल यादव और हितेन तेजवानी जैसे मंझे कलाकार उनके साथ थे।

जूनियर एनटीआर-जाह्नवी कपूर की जबरदस्त केमिस्ट्री पोस्टर संग देवरा: पार्ट 1 के दूसरे गाने का एलान

एनटीआर की पैन इंडियन फिल्म देवरा: पार्ट 1 का पहला सिंगल, फियर सॉन्ग प्लेलिस्ट पर छा हुआ है. यह गाना लोगों के बीच काफी पॉपुलर हो गया है. इस गाने पर सिंगर अनिरुद्ध रविचंदर ने शानदार काम किया है. सिंगल की पॉपुलैरिटी को देखते हुए मेकर्स ने सेकेंड सिंगल का एलान किया है. इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया है. जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर देवरा: पार्ट 1 का नया पोस्टर शेयर किया है और फिल्म के सेकेंड सॉन्ग का एलान किया है. पोस्टर में जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री देखी जा सकती है. ऐसा लग रहा है कि यह गाना एक हरे-भरे जंगल में शूट किया गया है. इस पोस्टर से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाला सेकेंड सॉन्ग रोमांटिक होगा. फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए जाह्नवी कपूर ने कैप्शन में गाने की रिलीज डेट के बारे में खुलासा किया है. उन्होंने समुद्र की लहर और लाल दिल वाले इमोजी के साथ कैप्शन में लिखा है, मोस्ट अवेटेड देवरा सेकेंड सिंगल 5 अगस्त को आ रहा है. देवरा: पार्ट 1 जाह्नवी कपूर की टॉलीवुड डेब्यू फिल्म है. फिल्म को डायरेक्ट कोराताला शिवा ने किया है. इस फिल्म में जूनियर एनटीआर डबल रोल में नजर आएंगे. उन्होंने फिल्म में पिता और पुत्र दोनों की भूमिका निभाई है. वहीं, बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान विलेन के किरदार में नजर आएंगे. देवरा: पार्ट 1 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है.

अक्षय कुमार की फिल्म का ट्रेलर हुआ रिलीज, दोस्तों के फोन में छुपे राज से उठेगा पर्दा

पिछले काफी समय से अक्षय कुमार एक अदद हिट के लिए तरस रहे हैं। उनकी हाल-फिलहाल में आई फिल्म सरफिरा भी बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई और इसकी असफलता पर खुद अक्षय ने भी निराशा जाहिर की।हालांकि, फिल्म में अक्षय के अभिनय की दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों ने भी खूब तारीफ की थी।अब अक्षय फिल्म खेल खेल में लेकर आ रहे हैं, जिसका ट्रेलर रिलीज हो गया है। खेल-खेल में ट्रेलर की शुरुआत अच्छी है। अक्षय के अलावा फिल्म में फरदीन खान, एमी विर्क, आदित्य सील, वाणी कपूर, तापसी पन्नू और प्रज्ञा जायसवाल हैं, जो एक-दूसरे के दोस्त हैं।ऐसे दोस्त, जो मोबाइल में एक गेम खेलते हैं। ऐसा खेल, जिससे दोस्तों के बीच तालमेल और छिपे हुए राज सामने आते हैं। इसी खेल के आस-पास इन दोस्तों की जिंदगी और उनके निजी व पेशेवर रिश्तों को दिखाया गया है।फिल्म में कॉमेडी का तड़का लगाया गया है। फिल्म में सबसे ज्यादा वाहवाही अक्षय लूट रहे हैं। अक्षय लंबे समय बाद कॉमेडी करते नजर आ रहे हैं और उनकी कॉमिक टाइमिंग देख दर्शक एक बार फिर उनके कायल हो गए हैं।एक यूजर ने लिखा, कॉमेडी किंग की वापसी। एक ने लिखा, असली मजा तो अब आएगी। एक ने लिखा, कॉमेडी के मामले में अक्षय का कोई तोड़ नहीं है।एक ने लिखा, बॉक्स ऑफिस पर अब 100 प्रतिशत धमाकेदार वापसी होगी अक्षय की। खेल खेल में 15 अगस्त को सिनेमाघरों का रुख करेगी। हालांकि, इस दिन यह अकेले सिनेमाघरों में दस्तक नहीं दे रही है।फिल्म स्त्री का दूसरा भाग स्त्री 2 भी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगा। इसके अलावा जॉन अब्राहम की वेदा भी इसी दिन सिनेमाघरों में रिलीज होगी।दूसरी ओर एक्शन थ्रिलर पैन इंडिया फिल्म डबल इस्मार्ट भी काफी चर्चा में है। यह भी 15 अगस्त को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाएगी। संजय दत्त भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। अक्षय की इस साल स्काई फोर्स और सिंघम अगेन भी रिलीज के लिए प्रस्तावित हैं। इन तीनों फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है। हालांकि, पहले टिकट खिड़की पर परीक्षा खेल खेल में की होगी।इसके अलावा हेरा फेरी 3, वेलकम टू द जंगल समेत अक्षय की 6 और फिल्में दर्शकों के बीच आएंगी।उधर तापसी, प्रतीक गांधी के साथ फिल्म वो लड़की है कहां में नजर आएंगी।